दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-93
मुरादाबाद
23 July 2024
(Tuesday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जीडीपी 6.5-7% रहेगी, आर्थिक सर्वे में सरकार ने जताया अनुमान

आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है। सर्वे के अनुसार खराब ऋणों की विरासत के कारण पिछले एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कम हुआ पर 2021-22 की तुलना में इसमें सुधार हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वे सोमवार को सदन में पेश किया। इस आर्थिक सर्वे में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश की वास्तविक जीडीपी या वृद्धि दर 6.5-7% रहने का अनुमान जताया है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर और निजी निवेश में निरंतर गति से पूंजी निर्माण वृद्धि को बढ़ावा मिला है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 2023-24 में वास्तविक रूप से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश का राजकोषीय घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 1.6 प्रतिशत अंक बढ़ा। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है। सर्वे के अनुसार खराब ऋणों की विरासत के कारण पिछले एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कम हुआ पर 2021-22 की तुलना में इसमें सुधार हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को बहुप्रतीक्षित केंद्रीय बजट 2024-25 के अनावरण से ठीक पहले सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया।

भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत का बड़ा बयान, कहा-जातिवाद का जहर घोलकर समाज को तोड़ने की साजिश कर रही सरकार

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत बागपत में नील कंठ आश्रम पहुंचे जहां उन्होंने भोले शंकर का जलाभिषेक कर पत्रकारों से वार्ता की।बागपत जनपद के बिनौली में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार जातिवाद का जहर घोलकर समाज को तोड़ने की बड़ी साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की किसान विरोधी नीति के चलते देश लेबर कंट्री बन जाएगा। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सावन के पहले सोमवार को जिवाना गुलियान स्थित सिद्ध गुरु स्थान नील कंठ आश्रम में पहुचकर भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक किया। उन्होंने आश्रम के पीठाधीश सिद्ध गुरु महाराज से आशीर्वाद भी प्राप्त किया।इस दौरान पत्रकार वार्ता में उन्होंने सरकार के कांवड़ मार्ग पड़ने फल विक्रेताओं व दुकानदारों की नाम के साथ पहचान लिखने पर फैसले पर कहा कि सरकार की मंशा है देश जाति और धर्मों में बंटे और वह उसका फायदा उठाए। फिर तो टीचरों को भी नाम लिखना पड़ेगा, कोई खून देगा तो उस खून पर भी नाम लिखा जाएगा। फसलें पैदा करने वाले किसानों की फसलों पर भी नाम लिखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सेंधा नमक पाकिस्तान से आता है किया उस पर लिखा %पाकिस्तानी नमक% लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि जाति और नाम से कुछ नही होता, बल्कि वह किया बेच रहा है उसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा ये पार्टी पूंजीपतियों ओर उधोगपतियों की पार्टी है। देश के किसानों की जमीन कैसे लूटी जाएंगी, रोजगार कैसे खत्म होंगे, सस्ती लेवर कैसे आएगी यह सब एक प्लान है। उन्होंने कहा जैसे बिहार लेबर स्टेट बन चुका है अगर सरकार की यही पॉलिसी रही तो देश लेबर कंट्री बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बने लाल बिहारी यादव, जासमीर अंसारी उप नेता बन

समाजवादी पार्टी ने लाल बिहारी यादव को यूपी विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष घोषित किया है जबकि उप नेता मो. जासमीर अंसारी को बनाया गया है।समाजवादी पार्टी ने यूपी विधान परिषद में लाल बिहारी यादव को नेता प्रतिपक्ष घोषित किया है। वहीं, मो. जासमीर अंसारी उप नेता बनाए गए हैं।इसी तरह किरनपाल कश्यप को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है जबकि आशुतोष सिन्हा को विधान परिषद का सचेतक बनाया गया है। बता दें कि लाल बिहारी यादव विधान परिषद में सपा दल के नेता भी रहे हैं लेकिन अभी तक सपा के पास नेता प्रतिपक्ष बनाने के लायक सदस्य संख्या नहीं थी। पांच मई को रिक्त हुए 13 पदों के चुनाव में सपा को तीन सीटें मिलीं। अब विधान परिषद में उसकी कुल सदस्य संख्या 10 हो गई है, जो नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए आवश्यक सदस्य संख्या के बराबर है।उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा पाने के लिए लाल बिहारी यादव कोर्ट भी जा चुके हैं इसलिए पार्टी ने यह जिम्मेदारी उन्हें को ही देने का फैसला किया है।

लोकसभा में बिहार को विशेष राज्य के दर्जे पर मिला सीधा जवाब, जदयू ने रखा था सवाल

केंद्र सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना चाहती है? हां तो बताएं, नहीं तो क्यों? लोकसभा में जदयू सांसद रामप्रीत मंडल ने सरकार से सीधा सवाल किया और इसका जवाब भी आ गया- मौजूदा प्रावधानों में तो यह संभव नहीं है।केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में शामिल जनता दल यूनाईटेड ने सीधे-सीधे लोकसभा में अपनी ही सरकार से पूछ दिया कि क्या वह बिहार और शेष ऐसे राज्यों को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए विशेष राज्य का दर्जा देना चाहती है? अगर सरकार ऐसा विचार रखती है तो बताए और नहीं रखती है तो इसका कारण स्पष्ट करे। जदयू के रामप्रीत मंडल के इस सीधे सवाल का सीधा जवाब भी बजट सत्र के पहले दिन आ गया। मंडल ने वित्त मंत्री के लिए यह सवाल रखा था। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने इसपर प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए नकारात्मक और सीधा जवाब दिया। मतलब, अब जैसा जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सर्वदलीय बैठक में अपनी बात रखी थी कि अगर विशेष राज्य का दर्जा नहीं दे सकते हैं तो विशेष पैकेज दें। अब संभवत: एनडीए सरकार के अहम किरदार जदयू की बात रखने के लिए केंद्र सरकार इस राह का विकल्प देखे।वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने रामप्रीत मंडल के सवाल के जवाब में बताया- राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने पहले कुछ राज्यों को योजना सहायता के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा प्रदान किया था। उन राज्यों में कुछ विशेष परिस्थितियां थीं, जिनके आधार पर यह किया गया था। यह निर्णय उन सभी कारकों और राज्य की विशिष्ट स्थिति के एकीकृत विचार के आधार पर लिया गया था। विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) ने पहले भी विचार किया था, जिसने 30 मार्च, 2012 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। आईएमजी ने निष्कर्ष निकाला था कि मौजूदा एनडीसी मानदंडों के आधार पर बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। 2012 में देश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। उस समय भी यही रिपोर्ट आई थी, केंद्र की मौजूदा सरकार ने उसी का हवाला दिया है।

अखिलेश बोले- पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाएगी सरकार, शिक्षा मंत्री का पलटवार- मेरे पास भी आपकी सूची

अखिलेश यादव ने कहा कि अगर यही शिक्षा मंत्री रहे तो छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा। इसके जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मेरे पास सूची है कि अखिलेश यादव की सरकार में यूपी में कितने पेपर लीक हुए?संसद के मानूसन सत्र में नीट पेपर लीक मुद्द को लेकर चल रहे हंगामे के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार पेपर लीक में नए रिकॉर्ड बना रही है। इसका केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मेरे पास भी अखिलेश यादव के कार्यकाल में यूपी में हुए पेपर लीक की सूची है। संसद में अखिलेश यादव ने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर देशभर में छात्र विरोध कर रहे हैं। जांच में खुलासे हो रहे हैं। लगातार गिरफ्तारियां की जा रहीं हैं। मेरा कहना है कि अगर यही शिक्षा मंत्री रहे तो छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा। इसके जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम सार्वजनिक किया गया है। मैं राजनीति नहीं करना चाहता, लेकिन मेरे पास सूची है कि अखिलेश यादव की सरकार में यूपी में कितने पेपर लीक हुए? उन्होंने कहा कि एनटीए ने 240 से ज्यादा परीक्षाएं कराईं। इनमें पांच करोड़ से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हुए। 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल प्रवेश के लिए एकल परीक्षा कराने के लिए कहा था। पहले नीट परीक्षा सीबीएसई कराता था। अब यह नीट कराता है।सात साल में 17 बार पेपर लीक- कांग्रेस सांसद बी मणिकम टैगोर ने कहा कि सात साल में 17 बार पेपर लीक हुए हैं। उन्होंने कहा कि 24 लाख परीक्षार्थियों की जिम्मेदारी सरकार ले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें। इस पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सात बार पेपर लीक होने का कोई सबूत नहीं है। केंद्र सरकार कुछ भी नहीं छिपा रही है। एक और सांसद प्रेमचंदन ने कहा कि नीट भ्रष्टाचार परीक्षा के लिए शुरू हुए पंजीकरण से ही चालू हो गया था। उन्होंने मामले की जांच के लिए संसदीय जांच समिति बनाने की मांग की।

सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की शाखाओं में जाने पर लगा प्रतिबंध हटाना ठीक नहीं, ये राजनीतिक निर्णय

मायावती ने सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की शाखाओं में जाने पर लगे प्रतिबंध को हटाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखाओं में जाने पर लगे प्रतिबंध को हटाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय देशहित से परे और राजनीति से प्रेरित है। यह निर्णय संघ के लोगों का तुष्टिकरण करने वाला है। जिसका मकसद भाजपा सरकार व संघ के बीच लोकसभा चुनाव के बाद बनी दूरी को कम करना है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की शाखाओं में जाने पर 58 वर्ष से जारी प्रतिबंध को हटाने का केन्द्र का निर्णय देशहित से परे, सरकारी नीतियों व इनके अहंकारी रवैयों आदि को लेकर लोकसभा चुनाव के बाद दोनों के बीच तीव्र हुई तल्खी दूर हो।सरकारी कर्मचारियों को संविधान व कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित व जनकल्याण में कार्य करना जरूरी होता है जबकि कई बार प्रतिबन्धित रहे आरएसएस की गतिविधियाँ काफी राजनीतिक ही नहीं बल्कि पार्टी विशेष के लिए चुनावी भी रही हैं। ऐसे में यह निर्णय अनुचित, तुरन्त वापस हो।बत दें कि सरकारी कर्मचारियों पर बीते 58 साल से आरएसएस की शाखाओं में जाने पर प्रतिबंध लगा हुआ था जिसे सरकार ने हटा दिया।

राहुल ने परीक्षा प्रणाली को बकवास बताया तो शिक्षा मंत्री ने याद दिलाया इतिहास; पढ़ें तीखी नोकझोंक

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत की परीक्षा प्रणाली धोखे से भरी है। लाखों लोग मानते हैं कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है, तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं। इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मैं देश की परीक्षा प्रणाली को बकवास कहने की निंदा करता हूं। लोकसभा में मानसून सत्र के दौरान नीट पेपर लीक मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर खूब घेरा। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के लाखों छात्रों से जुड़े मुद्दे पर कुछ नहीं हो रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। भारत की परीक्षा प्रणाली बकवास है। विपक्ष के नेता के इस बयान की केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने निंदा की। उन्होंने शिक्षा सुधार के लिए 2010 में कांग्रेस सरकार की ओर से लाए गए बिल को लेकर पलटवार किया। सदन में नीट के मुद्दे को उठाते हुए नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत की परीक्षा प्रणाली धोखे से भरी है। लाखों लोग मानते हैं कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है, तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर नीट पेपर लीक होना सिस्टम की चूक थी तो उसे सुधारने के लिए क्या किया गया? मंत्री खुद को छोड़कर सबको दोषी ठहरा रहे हैं। लाखों छात्रों परेशान हैं कि देश में क्या चल रहा है। इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मैं देश की परीक्षा प्रणाली को बकवास कहने की निंदा करता हूं। जिन्होंने रिमोट से सरकार चलाई है। 2010 में कांग्रेस सरकार में शिक्षा मंत्री कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार को लेकर तीन बिल लाए थे। जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुचित प्रथाओं जैसे कैपिटेशन शुल्क की मांग करना, योग्यता बिना छात्रों को प्रवेश देना, शुल्क की रसीद जारी न करना, छात्रों को गुमराह करने से रोकना शामिल था। तो किसके दबाव में कांग्रेस सरकार और नेता विपक्ष ने बिल लागू नहीं होने दिया और हमसे प्रश्न पूछते हैं। हमारी सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर करने और निजी संस्थानों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुधार के काम हो रहे हैं।

संपादकीय Editorial

World dependent on server

When the famous company Microsoft's server developed a cyber fault, the whole world started gasping for breath. Activities came to a standstill. Flights were blocked or had to be cancelled in developed and progressive countries like America, Germany, Britain, Spain, France, Australia. Apart from flights, essential services like banking, railways, stock exchange, hospitals, restaurants, digital payments, TV channels and supermarkets came to a halt. Many had to be suspended for the whole day. This monopoly of Microsoft is very dangerous. Should the operating systems of such big countries be dependent on the servers of a single company? This is a special kind of disability for the components of the world's big economic system. More than 95 percent of the world's computers run on Microsoft's operating system. They have been confident that there will never be a problem in Microsoft's system, but just one fault has exposed the world's most powerful company. This flaw was created due to the update of Crowdstrike, the company that provides cyber security to Microsoft, or the entire system malfunctioned, but the whole world was terrified, confused about what to do now? A company that provides worldwide services for such servers should have had more or less an alternative plan, but Microsoft did not use any 'Plan B'. The company kept thinking that the cyber security company Crowdstrike would fix this flaw, but this was not done. This is a dangerous situation of running the world on the basis of a single server. It is not that there are no alternatives to Microsoft. Many companies use 'Linux' and 'Mac', but Microsoft has a monopoly in the world. This cyber crisis did not affect China and Russia at all, because they had sensed this apprehension long ago, so they developed their own systems. They have their own operating systems, servers, they do not rely on the West. Their relations with the West are also not good. India should learn a lesson from this global crisis. Although on the first day, Friday, July 19, 4295 flights had to be cancelled across the world, 200 flights were cancelled in India as well. Most of India's cyber systems are connected to Microsoft's servers. Just imagine if the server fails and our energy production, thermal plants, flights, railway system including metro, banking and ATMs, communication, hospitals, digital transactions, etc. basic and essential services come to a halt, then India itself will come to a standstill! Software development and creation of financial technology systems like UPI speak of our capabilities. India has successfully completed its mission to the moon. We are doing a comprehensive study of the Sun through the 'Aditya L-1' mission. We have sent many satellites into space. India is producing the most efficient faces of software, which are in great demand all over the world. So why can't we fully implement India's own operating system, server? Why are we 'dependent' for such sensitive services? Now there are some questions, which will become clear in the coming times. For example, how do Microsoft's client companies recover their losses? Will the parent company compensate them? Is there any such contract? If Microsoft does not provide any kind of compensation, can it be dragged to court? Do client companies have such rights? Actually, we consider this to be Microsoft's fundamental flaw, because it has the primary reputation in the market. The companies had not signed an agreement with CrowdStrike. However, it is definitely a Microsoft-affiliated company. The question may also be that was CrowdStrike's job alone to check the updates it was making or was it Microsoft's job as well?

Reservation: Karnataka government plays Kannada card… Congress government's decision without constitutional provision is shocking

In its 1994 decision, the Supreme Court had said that reservation for sons of the soil in the states is against Article 16 (2) of the Constitution. If the opposition leaders are talking about the Constitution and justice, then how can the government of their own party implement reservation in the private sector without constitutional provision? The abolition of Article 370 in Jammu and Kashmir had created an atmosphere of integration in the entire country. But the enactment of laws to provide reservation to local people in Group C and D jobs in the private sector in states like Karnataka, Haryana and Jharkhand can disrupt the pace of economic development along with national unity. It is important to understand the maneuvers of reservation politics from an international perspective. The migration of Indians is increasing due to the growing fire of reservation in Bangladesh. On the same lines, the Siddaramaiah government in Karnataka is playing the Kannada card. Distributing freebies from the government treasury is being considered dangerous for the economy. But laws that determine residence arbitrarily can destroy the economy as well as the constitution and the federal system. According to the seventh schedule of the constitution, the central government has the right to make laws on subjects like citizenship, IT, company law and reservation. After the formation of states on the basis of language, leaders in many states like Maharashtra, Tamil Nadu and Punjab took the initiative to give priority to the sons of the soil in employment. But with the spread of education, digital and communication, the movements of sub-nationalism in the states started weakening. The capital of the country is Delhi, but cities like Mumbai developed as the financial capital and Bangalore, Hyderabad and Chennai as the IT capital. Central taxes along with the residents of all the states have a huge contribution in the development of these cities. Companies of e-commerce, startups, IT, ITES and GCC sectors will be most affected by the proposed law of Karnataka. Therefore, reservation in the private sector on the basis of language or region is wrong and unconstitutional. The Siddaramaiah government, which is facing the challenges of corruption and change of leadership, can try to get the reservation bill passed in the assembly afresh. Therefore, if the bill is passed in the assembly after the new approval of the cabinet, then the governor can send that bill for the approval of the President. Apart from politics, it is very important to examine the constitutional aspects of reservation in the private sector. According to the Seventh Schedule of the Constitution, only the Central Government and Parliament have the right to make laws in matters related to citizenship. There are provisions about equality in Article 14 of the Constitution and freedom of trade in Article 19. Exceptional provisions have been made in the Constitution to provide reservation to deprived classes like Scheduled Castes and Tribes, women, OBCs, Divyang. There may be provisions for cheap education and treatment to the poor and economically weaker (EWS) class people in schools and hospitals built on concessional land given by the government. But there is no constitutional provision for reservation on the basis of region or language in the private sector. In this regard, under Article 16 (3) and 35A of the Constitution, only the Parliament has the power to make laws instead of the states. According to the Supreme Court's decision of 1992, the maximum limit of reservation in the government sector has been fixed at 50 percent. In such a situation, how can more reservation be given in the private sector in the states? The judges of the High Court had declared the law of Andhra Pradesh unconstitutional. The law of Haryana was canceled by the High Court last year. The law of Jharkhand also could not move forward due to the High Court. The increase in litigation on government expenses causes double loss. Apart from the huge loss to the government treasury in the name of paying fees to big lawyers, it also causes delay in hearing and decisions of the cases of common people. Backward states like Bihar are demanding a special package in the budget from the central government. On the other hand, the state governments, considering developed cities like Bangalore and Gurugram as political fiefdoms, are bent on destroying not only the constitutional system but also the ease of doing business. According to the census of 2011, 50 percent of Bangalore's population of 96 lakh are people who have come from other states. In the Indian Republic, citizens are supreme, who have constitutional freedom to work and trade throughout the country. The rise of inspector raj in states in the name of implementing reservation in the private sector is against liberalization and the global economy. No state can be allowed to make laws that disrupt the national economy, trade and commerce. If this bill of Karnataka becomes a law, then the tech industry and the economy may derail and foreign investors may lose faith in India's growth story. There is a provision in the Constitution for reservation for scheduled tribes and indigenous people in many states. According to the Public Employment (Requirement Regarding Residence) Act enacted in the year 1957, there cannot be discrimination in jobs on the basis of region. In its 1994 decision, the Supreme Court had said that reservation for sons of the soil in the states was against Article 16 (2) of the Constitution. Therefore, any law of reservation on the basis of residence and language will be repealed by the court. A campaign to free the country from imperialist laws is going on. On the other hand, efforts are being made to increase employment and governance. Failed governments are shamelessly using the British trick of 'divide and rule' by raising the issue of reservation on the basis of region, caste, language and religion. Opposition leader Rahul Gandhi is talking about the constitution, justice and uniting India, so how can the government of his own party implement reservation in the private sector without a constitutional provision?

Have you seen ghosts? It cannot be both matter and non-matter

A ghost cannot be both matter and non-matter. If a ghost is matter, it will occupy space, will have weight and can be held. But if it is non-matter, then its existence itself is doubtful. A survey was conducted in America in the year 2021. 41 percent of the people involved in it said that they believe in ghosts. Twenty percent of the people even claimed that they have seen a ghost. If these people are right, then it means that there are more than 50 million people in America alone who have encountered ghosts in their lives. The owner of a grocery store near my house believes that there are ghosts in his house. He has installed cameras in the house, in which he has also sent me many unusual recordings. In those recordings, I saw small bubbles of light in some rooms of his house. Some slow sounds are heard. Many times books were also seen flying from the shelf. As a sociologist, my job is to study people's belief in things like ghosts, extraterrestrials, pyramid powers, and superstitions. I believe that extraordinary claims require extraordinary evidence to prove them. People think they have seen a ghost when they hear strange noises, see things moving, balls or beams of light, etc. But no one has seen ghosts grow old, eat, breathe, or use the bathroom. So are ghosts made of a special energy that floats and floats without being destroyed? If so, it means that when ghosts glow, move things, or make noises, they must be acting like matter (something that occupies space and has weight). But if they pass through walls or disappear, they must not be matter. Whenever a ghost hunter visits a supposedly haunted place, he finds things that he considers supernatural. Individual experiences of ghosts may be due to the limitations of the human senses. I reviewed video clips of the grocery store. The video captured several small spheres of light, which were actually tiny dust particles, floating close to the camera lens. When the bracket came into place due to the weight on the shelf, it shook and the items on it began to fall. Apparently ghost stories arise from the way your brain interprets certain sights and sounds.

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक...गूंजे बम बम भोले के जयकारे

मुरादाबाद में सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगीं रहीं। शहर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही कांवड़ियों का पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मंदिर में तड़के ही श्रद्धालुओं की लाइनें लग गई थीं। बेलपत्र, फल-फूल भोलेनाथ को अर्पित किए। कावंड़ियों ने भी गंगाजल से जलाभिषेक कर सुख-सौहार्द की प्रार्थना की।भोलेनाथ के जयकारों से मंदिर गुंजायमान रहा। सोमवार सुबह तक हरिद्वार और ब्रजघाट से श्रद्धालु कांवड़ लेकर मंदिरों में पहुंच गए थे। प्राचीन शिव मंदिर चौरासी घंटा, झारखंडी महादेव मंदिर, पुलिस लाइन शिव मंदिर, मनोकामना मंदिर, झांझनपुर स्थित शिव मंदिर, ढाब वाला मंदिर, श्री शिव हरि मंदिर, ऋणमुक्तेश्वर मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, श्री सत्य शिव मंदिर, नटबाबा मंदिर, दुर्गा माता मंदिर आदि में भगवान की पूजा-अर्चना की गई। भगवान का जलाभिषेक कर उपवास किया।जलाभिषेक को लेकर मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। रविवार को दिन में दिल्ली रोड पर लगी भोलेनाथ की पताकाओं से माहौल शिवमय हो गया। भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालु कांवड़ लेकर ब्रजघाट रवाना हो गए।रविवार आधी रात के बाद से ही मुरादाबाद के शिवालयों में जलाभिषेक शुरू हो गया था। रविवार को भोलेनाथ की आराधना के लिए मंदिरों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। साफ-सफाई के अलावा अन्य व्यवस्थाएं की गईं।किसरौल स्थित चौरासी घंटा मंदिर के महंत पंडित विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा के लिए श्रद्धालुओं का सुबह चार बजे से ही आना शुरू हो गया था। मंदिर में सुबह पांच बजे आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालु ने जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। सावन के पहले सोमवार को शिव भक्तों के उत्साह व भगवान शिव के जयकारों से महानगर शिव मय हो गया। तड़के से ही शिवालय श्रद्धालुओं के जयकारों से गुंजयमान होने लगे। श्रद्धालुओं, कांवड़ियों ने भोलेनाथ की महिमा का गुणगान करते हुए जलाभिषेक किया। मंदिरों में भक्तों की भीड़ का तांता लगा रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने पहुंचे।रविवार देर रात से ही कांवड़िये मंदिरों में हरिद्वार और बृजघाट से गंगा जल लेकर जलाभिषेक के लिए पहुंच गए थे। सोमवार तड़के कपाट खुलते ही कांवड़िए जलाभिषेक के लिए मंदिरों में उमड़ पड़े। गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक किया। अन्य शिवभक्तों ने भी सावन माह के पहले सोमवार पर मंदिरों में जलाभिषेक कर भोलेनाथ की आराधना की। भगवान का जलाभिषेक कर उपवास किया।सोमवार को भी सड़कों पर कांवड़िये दिखाई दिए। सुबह में महानगर के अधिकांश भोले बृजघाट से जल लेकर आए। झांरखंडी मंदिर, चौरासी घंटा मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, शिव मंदिर और प्राचीन शिव मंदिर समेत अन्य मंदिरों में दोपहर तक भक्तों की भीड़ देखने को मिली। उधर, पुलिस भी मौके पर सुरक्षा को देखते हुए मौजूद रहीं। वहीं अन्य अधिकारी मंदिरों के भ्रमण के साथ पल-पल की जानकारी ले रहे थे।

सराफ की पत्नी और बेटी लापता, मोबाइल हो गया बंद... तलाश में जुटी पुलिस, कमेटी मामला आ रहा सामने

मुरादाबाद से कारोबारी की पत्नी और बेटी अचानक गायब हो गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है। बताया जाता है कि कारोबारी की पत्नी ने एक कमेटी में कई लोगों से पैसों लगावाया था।सिविल लाइंस के चंद्रनगर कृष्ण कॉलोनी में रहने वाले सराफ सचिन अग्रवाल की पत्नी शिप्रा अग्रवाल (37) और बेटी प्रथा (15) शुक्रवार शाम घर से बिना बताए कहीं चली गईं। दो दिन बाद भी मां-बेटी का कोई सुराग नहीं लग पाया है। दोनों के मोबाइल स्विच होनी से अनहोनी की आशंका में घिरे परिजन परेशान हैं। सचिन अग्रवाल ने बताया कि उनकी मंडी चौक में सोने चांदी के जेवर की दुकान है। रोज की तरह शुक्रवार सुबह वह दुकान पर चले गए। घर में शिप्रा, बेटी प्रथमा और बेटा पार्थ मौजूद थे। शाम को बेटा भी घर से बाहर चला गया। इसके बाद साढ़े छह बजे मां-बेटी घर से कहीं चली गईं। इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया है।काफी तलाश करने के बाद भी मां-बेटी का पता नहीं चला तो सचिन अग्रवाल ने सिविल लाइंस थाने में तहरीर देकर गुमशुगदी दर्ज कराई। सचिन ने बताया कि कटघर क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने कमेटी में तमाम लोगों के रुपये जमा कराए थे। सचिन की पत्नी के जरिए भी कई लोगों ने कमेटी में रकम लगाई थी। अब लगातार लोग अपनी रकम के लिए शिप्रा पर दबाव बना रहे थे। इस मामले की शिकायत थाने में भी की गई थी। इसके बाद से ही शिप्रा परेशान चल रही थी। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि मां-बेटी की तलाश की जा रही है। कटघर से छात्रा लापता, अपहरण में रिपोर्ट- कटघर थाना क्षेत्र से एक छात्रा अचानक लापता हो गई। उसके पिता ने एक युवक पर बहला फुसलाकर अपहरण कर ले जाने का आरोप लगाया है। 17 वर्षीय छात्रा 12 वीं कक्षा में पढ़ती है। उसके पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 जुलाई की सुबह आठ बजे उसकी बेटी घर से स्कूल के लिए निकली थी। लेकिन स्कूल से वापस नहीं आई। उसे पता चला कि उसकी बेटी को हिमाचल प्रदेश के बटोरीवाला निवासी उज्ज्वल बहलाफुसला कर अगवा करके ले गया है। छात्रा घर से 30 हजार रुपये की नकदी और सोने चांदी के जेवर भी ले गई है। कटघर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी उज्ज्वल के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

अगर किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो घबराएं नहीं, प्रशासनिक ने जारी की गाइडलाइन

मुरादाबाद -किसी व्यक्ति को यदि सांप काट ले तो डरना स्वाभाविक है, लेकिन ऐसे समय में घबराएं नहीं और न ही जल्दबाजी में कोई ऐसा कदम उठाएं, जिससे जान को खतरा हो। ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इस बात की सही जानकारी बेहद जरूरी है। सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी अनुज सिंह ने विस्तृत गाइडलाइन जारी की है।

उन्होंने बताया कि सांप काटने की स्थिति में सबसे पहले रोगी को आश्वस्त करें, क्योंकि लगभग 70 से 80 प्रतिशत सांप के कटाने के मामले गैर विषैले होते हैं। घायल व्यक्ति को सांत्वना दें क्योंकि घबराहट से हृदय गति तेज हो जाएगी और जहर सारे शरीर में जल्द फैल जाएगा। सांप के रंग व आकार को देखने और याद रखने की कोशिश करें। शरीर के प्रभावित हिस्से से अंगूठियों, घड़ी, आभूषण, जूते व तंग कपड़े हटा दें, ताकि प्रभावित हिस्से से रक्त की आपूर्ति न रुके। सर्पदंश से प्रभावित अंग को स्थिर कर दें, उसे हिलाने-डुलाने से बचे। पीड़ित को जितनी जल्दी हो सके नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाएं। पीड़ित व्यक्ति का सिर ऊंचा करके लिटाएं या बैठाएं। घाव को तुरंत साबुन या गर्म पानी से साफ करें। सांप काटने का समय नोट करें जिससे जरूरत पड़ने पर आपातकालीन कक्ष स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को इसकी सूचना दी जा सके। पीड़ित व्यक्ति को शांत और स्थिर रहने के लिए कहें। काटे हुए अंग को हृदय के लेवल से नीचे रखे। जिलाधिकारी ने बताया कि सांप के काटने पर झाड़-फूंक न कराएं। सर्पदंश वाले अंग को न मोड़ें। ऊंची जमीन पर जाने के लिए पानी में तैरते समय सांपों से सावधान रहें। सांप को अपने आस-पास देखने पर धीरे-धीरे उससे पीछे हटें। सांप को पकड़ने या मारने की कोशिश न करें। मलबे या अन्य वस्तुओं के नीचे सांप हो सकते हैं इसलिए सतर्क रहे। घाव को काटने का प्रयास न करें। सांप के काटने पर बर्फ न लगाएं क्योंकि बर्फ रक्त संचार को अवरूद्ध कर सकती है। जहर चूसने के लिए अपने मुंह का प्रयोग न करें। शराब, कैफीन आदि न पियें या कोई दवा न लें। सर्पदंश किट का प्रयोग न करें। व्यावसायिक किटों में अक्सर चीरा लगाने के लिए एक ब्लेड होता है जो शरीर की आंतरिक संरचनाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। जब तक आप मोटे चमड़े के जूते न पहने लंबी घास से दूर रहें और जितना संभव हो लंबी पैदल यात्रा के रास्तों पर रहें।

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में पथराव, सात लोग घायल

मुरादाबाद -पकवाड़ा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात मेडिकल स्टोर के सामने स्कूटी खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में पथराव हो गया। दोनों गुटों मे जमकर लाठी डंडे चले। घटना में सात लोग घायल हो गए। इसमें एक गंभीर रूप से घायल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।थाना क्षेत्र के मोहल्ला माली वाली बगिया कस्बा में देर रात 10ः00 बजे 10 वर्षीय जुनैद मेडिकल के सामने स्कूटी खड़ी कर रहा था। इसी दौरान मेडिकल संचालक ने जुनैद के साथ मारपीट कर दी। जुनैद रोता हुआ घर पहुंचा। फिर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों में जमकर ईंट पत्थर चलने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जिसमें से मुसब्बर अली पुत्र सूफी अनवर की हालत गंभीर है। वहीं जुनैद के परिवार वाले छह लोग घायल हुए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरे का प्लॉट दिखाकर 47 लाख की ठगी, पैसे मांगने पर दी हत्या की धमकी

मुरादाबाद -सिविल लाइन थाना क्षेत्र में दोस्त ने दूसरे का प्लॉट दिखाकर 47 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित से कई बार में पैसे ट्रांसफर कराए। प्लॉट का बैनामा कराने की बोलने पर दिए पैसों से हत्या करवाने की धमकी देने लगा। पीड़ित ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। थाना क्षेत्र के मऊ निकट एफसीआई गोदाम निवासी इरफान हुसैन ने दी तहरीर में बताया है कि हरथला मोहल्ला खेड़ा निवासी फारूक व इमरान दोनों भाई हैं। दोनों का उनके घर पर आना जाना है। फारूक दिव्यांग हैं। फारूक ने एक दिन आशियाना में कृष्णा आर्थोपेडिक हॉस्पिटल के सामने 350 वर्ग मीटर प्लॉट बेचने के लिए कहा। फिर दोनों में 50 लाख रुपये में सौदा तय हो गया। इमरान ने फारूक को जून 2020 से मई 2023 तक कई बार में ट्रांसफर व नकद में 46 लाख 95 हजार रुपये दे दिए। पैसे देने के बाद इमरान प्लॉट के दस्तावेज मांगे। फारूक ने देने से इन्कार कर दिया। फारूक ने कहा पहले पूरे 50 लाख रुपये दे दो उसके बाद तुम्हारे नाम बैनामा कर दूंगा। संदेह होने पर इमरान ने सच्चाई का पता लगाना शुरू कर दिया। पड़ोसियों ने इमरान को बताया है कि जिस प्लॉट का सौदा तय हुआ है, वह किसी दूसरे व्यक्ति का है। सच्चाई सुन इमरान के पैरों तले जमीन खिसक गई। पैसे वापस मांगने पर टालमटोल करने लगा। आरोप है कि 21 मई 2024 को फारूक अन्य साथियों को लेकर घर आ धमका। कहासुनी पर दिए पैसों से हत्या कराने की धमकी देने लगा। इमरान के सामने फारूक के साथियों ने सुपारी देने की बात कबूली। पुलिस से शिकायत पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। पीड़ित ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने दोनों भाईयों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली हाईवे पर दो हादसों में तीन कांवड़ियों की मौत, गंगाजल लेने बृजघाट जा रहे थे.. परिवार में कोहराम

मुरादाबाद -मुरादाबाद से गंगाजल लेने बृजघाट जा रहे कांवड़ियों के वाहन हादसे के शिकार हो गए। अलग- अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए उनके शव परिजनों को सौंप दिए। तीनों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। इन हादसों में दो कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक अमित के परिजनों ने पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया था। फिलहाल, दोनों सड़क हादसों में कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।मृतक यक्ष कौशिक गांव लोदीपुर में रहने वाले नन्हे उर्फ काविंद्र सिंह के बेटे थे। पस लौट रहे थे। मुरादाबाद जनपद में भोजपुर थानाक्षेत्र के आबाकपुर के रहने वाले अमित पुत्र विनीत अपने साथी लव कुश के साथ ब्रजघाट से गंगाजल लेने जा रहे थे। जैसे ही दोनों की बाइक रजबपुर थानाक्षेत्र में पहुंची, तभी आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में यक्ष कौशिक और अमित की मौके पर मौत हो गई। यक्ष कौशिक का साथी स्पर्श और अमित का साथी लव कुश घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने यक्ष कौशिक और अमित को मृत घोषित कर दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेवानिवृत्त निरीक्षक पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।गढ़ीपुख्ता थानाक्षेत्र के गांव मालेंडी निवासी सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक सहदेव सिंह के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाने पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद सिविल लाइंस के निरीक्षक कृष्ण अवतार की तरफ से गढ़ीपुख्ता थाने पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2020 में सहदेव सिंह क्राइम ब्रांच जनपद संभल में तैनात थे। उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत की जांच चल रही थी। जांच में पाया गया कि आरोपी सहदेव सिंह को निर्धारित अवधि में वैद्य स्त्रोतों से 77 लाख 7 हजार 157 रुपये की आय हुई जबकि इस अवधि में उनके द्वारा चल-अचल संपत्ति के अर्जन और परिवार के भरण पोषण आदि मदों पर एक करोड़ 12 लाख 93 हजार 733 रुपये व्यय किए गए। जो आय के सापेक्ष व्यय 35,86,576 रुपये अधिक व्यय किया गया। इस अनुपातिक व्यय के संबंध में सहदेव सिंह कोई स्पष्टीकरण नहीं दे पाए। मामले में सहदेव सिंह के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गढ़ीपुख्ता थाने पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। सीओ थानाभवन श्रेष्ठा ठाकुर ने बताया कि सेवानिवृत्त निरीक्षक सहदेव सिंह के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज हुई है। सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर सहदेव सिंह का कहना है कि उसे राजनीति षड्यंत्र के तहत झूठा फंसाया गया था। उनसे स्पष्टीकरण नहीं मांगा गया और न ही एक साल से उन्हें कोई नोटिस दिया गया। उनके पास पैतृक मकान है और वे गांव में ही रहते हैं। उन्होंने कोई चल-अचल संपत्ति नहीं खरीदी। एक फ्लैट लिया है, उसे भी बैंक से ऋण लेकर लिया है। उन्हें प्रताड़ित करने के लिए उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सहदेव सिंह ने बताया कि वे एक साल पहले पीलीभीत से सेवानिवृत्त हुए हैं।

युवक का गोली लगा शव मिलने से फैली सनसनी, हत्या या फिर आत्महत्या की गुत्थी में उलझी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।अब मैं जा रहा हूं, माफ करना यार, अब नहीं करेंगे परेशान, हम तो गलती से मैसेज कर देते थे, सॉरी। भारसी गांव के किसान राहुल के बेटे पीयूष (23) ने अपने फेसबुक और अन्य एकाउंट पर स्टेटस लगाया था। रविवार की रात यह कसबे में नहर पटरी के सोमवार की सुबह पीयूष का गोली लगा पास स्विफ्ट कार में हत्या या फिर शव मिला। पुलिस में उलझी है। फॉरेंसिक आत्महत्या की गुत्थी निरीक्षण करते हुए टीम ने घटना का सोमवार को दिन सबूत जुटाए हैं। को सूचना मिली कि निकलते ही पुलिस पटरी स्थित सरकारी कस्बे की बड़ी नहर

डाक बंगले के निकट कॉलोनी में एक शिफ्ट कार में एक युवक का गोली लगा शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त गांव भारसी, निवासी पीयूष उर्फ़ पोन्टी पुत्र राहुल के रुप में की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद युवक के शव को कार से बाहर निकाल।

साहित्यिक अवदान हेतु कोंच के डॉ नईम सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) राजकीय संग्रहालय झाँसी में आयोजित उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के एक दिवसीय प्रथम मंडलीय अधिवेशन में कोंच नगर के संस्कृति कर्मी एवं शिक्षाविद् डॉ मुहम्मद नईम बॉबी को उनके साहित्यिक अवदान हेतु देश के मशहूर व्यंगकार स्माइलमैन ऑफ़ इंडिया डॉ सर्वेश आस्थाना द्वारा सम्मानित किया गया। बता दे की कोंच नगर के मूलनिवासी डॉ मुहम्मद नईम बॉबी इप्टा, प्रलेस, परमार्थ, आशा, साहित्य सभा आदि साहित्यिक सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से राष्ट्र भाषा के उन्नयन हेतु कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी के प्रपोत्र इं. सौरभ गुप्ता, राजकीय संग्रहालय के उपनिदेशक डॉ मनोज गौतम, एआरटीओ बाँदा एवं युवा साहित्यकार डॉ शंकरजी सिंह, देश के मशहूर गीतकार डॉ विष्णु सक्सेना, मुकुल महान, गिरधर खरे, अर्जुन सिंह चाँद, रश्मि कुलश्रेष्ठ, नासिर अली नदीम, नरेंद्रमोहन मित्र, यज्ञदत्त त्रिपाठी आदि साहित्यकार उपस्थित रहे। इस सम्मान से कोंच नगर मे उनके चाहने वालो मे खुशी देखी गई है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अकराबाद में शिवालयो में भक्तों ने किया जलाभिषेक

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ सोमवार को कस्बा कस्बा अकराबाद गोपी दभा नगला पतेल कौड़ियांगज पिलखना पनैठी मैं शिवालयों पर भोले के भक्तों द्वारा जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक के साथ पूजा अर्चना की गई शिवालयों पर सुबह से ही भोले के भक्तों की लाइन लगी रही मंदिर में लगे घंटे घड़ियालो की आवाज व बम बम भोले की गूंज दूर तक सुनाई देने लगी भक्तों कि भीड़ मंदिरों की तरफ निकल पड़े मंदिर आदिनारायण रिथत महादेव मंदिर पर भक्तों ने दूध मिक्षित जल से भोलेनाथ का अभिषेक किया फल फूल धतूरा बेलपत्र रोली चावल शहद आदि से भोले बाबा की पूजा अर्चना कर मनोतिया मांगी पुजारी प्रमोदानद के द्वारा मंदिर पर हवन यज्ञ किया जिसमें जिसमें तमाम भक्तों ने भाग लिया

जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में ली गई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- आज जिला कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिले की कानून व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष महतो, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सीएमएचओ डॉ आर एस सिंह, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अन्य जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कानून व्यवस्था के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन में बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई। उन्होंने उपस्थित जिलास्तरीय अधिकारियों से जिले के विभिन्न जाति के लोगों एवं सामाजिक तथा धार्मिक समुदाय के मध्य सदभाव और सौहार्द निरंतर कायम रखने की

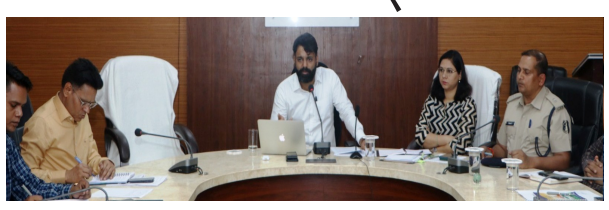

कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की। साथ ही असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न उत्पन्न किया जा सके इसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन को सतर्क एवं तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान जिले में होने वाली किसी भी प्रकार की रैली प्रदर्शन या आंदोलन को लेकर उन पर बराबर नजर रखने के निर्देश जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को दिया गया। इसके अलावा बैठक के दौरान दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, आगजनी आदि जैसी आकस्मिक रूप से उत्पन्न होने वाली स्थिति में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिले में नशीली दवाओं की अवैध आपूर्ति को रोकने और विशेषकर युवाओं समेत जिला के निवासियों को इनसे सुरक्षित रखने के हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने शिविर का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ई-केवाईसी , आधार सीडिंग और लैंड सीडिंग का कार्य शिविर आयोजन कर किया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ई-केवाईसी , आधार सीडिंग और लैंड सीडिंग पूर्ण न हो पाने के कारण कृषक इसका लाभ लेने से वंचित हो जा रहे हैं। ऐसे में कृषकों को इसका पूर्ण लाभ उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजन कर ऐसे कृषकों का चिन्हाकन किया जा रहा है।उन्होंने जिले में हो रही अल्प एवं अनियमित वर्षा से कृषि क्षेत्र में होने वाले संभावित नुकसानों से कृषकों को अवगत कराया और फसल बीमा के लाभ से परिचित कराया। ताकि आपदा की स्थिति में किसानों को नुकसान की भरपाई की जा सके। कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आज शिविर में कुल 50 कृषकों का खरीफ फसल बीमा धान, अरहर , कोदो इत्यादि फसलों का किया गया। इस दौरान बीमा कंपनी के प्रतिनिधि, कृषक मित्र, सीएससी संचालक व बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला, पुरुष उपस्थित रहे।

समय सीमा में करें प्रकरणों का निराकरण: कलेक्टर श्री रोहित व्यास

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयन तारा सिंह तोमर, सयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि आम जनता की सभी समस्याओं को ध्यान से सुनें एवं के संबंधित सभी प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता लाते हुए उनमें प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा ध्यान रखें कि सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण हो।

शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं प्राचार्य को जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किया कारण बताओं नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- आज समर्थ सूरजपुर के जिला कोर कमेटी के सदस्यों द्वारा खोड उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान कई शिक्षक हस्ताक्षर करने के बावजूद विद्यालय में अनुपस्थित पाए गए। शिक्षक श्री रामकिशुन सिंह द्वारा एक भी कक्षाएं वर्तमान सत्र में नहीं ली गई है । सुश्री सृष्टि भगत जो की नव नियुक्त व्याख्याता है उनके उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर नहीं पाया गया। और उनके द्वारा प्रतिदिन भौतिकी की कक्षाएं न लगाकर सप्ताह में मात्र दो दिन ही भौतिकी की कक्षा लगाई जाती है। अतिथि शिक्षक देवनाथ पटेल एवं राकेश कुमार भी विद्यालय में अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा शिक्षकों एवं विद्यार्थियो की उपस्थिति पंजी का भी संधारण नहीं किया जा रहा है जो की एक गंभीर विषय है। दिशा निर्देश एवं शैक्षणिक दायित्व का निर्वहन नहीं करने वाले शिक्षकों एवं लापरवाह प्रभारी प्राचार्य श्री गंगा जायसवाल पर कार्यवाही करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

किन्नर सलमा ने नये प्रतिष्ठान का फीता काटा

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन)- आज नई दुकान सरोनयां गारमेंट्स पर सलमा किन्नर उफ़ सलमा बाई के द्वारा फीता काटकर दुकान का उद्घाटन किया गया इसमें सलमा बाई के जो भी साथी आए थे उनको भी सम्मानित किया गया पुष्पेंद्र सभासद के द्वारा की समाज में सबको सम्मान मिलना चाहिए और आज सलमा द्वारा जो भी उद्घाटन किया गया है मेरे लिए सम्मान के लायक है इस अवसर पर मुन्ना लाल सरोनयां वीर सिंह कुशवाहा नीलू पटेल अंडा वाले मनीष कुशवाहा अभिषेक पटेल राहुल यादव आईयेंशी कैफे वाले अमित पटेल वीरेंद्र श्रीवास पूर्व सभासद अनिल पटेरिया, सुल्तान सभासद जाहिद भाई शमसुद्दीन शकील पूर्व, महावीर यादव आदि लोग कई भले लो लोग उपस्थित रहै

कांवड़ियों के लिए सुरक्षा व्यवखस्था का पुखता इंतजाम

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। श्रावण मास का पहला सोमवार है, जनपद श्रावस्ती में कुल 06 - ऐसे घाट है, जहां से कावड़ियो/श्रद्धालुओं द्वारा जल भरा जाता है तथा कुल 22 ऐसे मंदिर है जहां पर जलाभिषेक होता है। थाना सिरसिया क्षेत्र में स्थित बाबा विभूति नाथ मंदिर पर श्रद्धालुओं/कावड़ियो द्वारा भारी संख्या में जलाभिषेक किया जाता है। इस अवसर पर शांति/सुरक्षा/यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने व कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने हेतु समुचित पुलिस प्रबंध किया गया है, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो पालियों में ड्यूटी लगाई गई है। 07 बैरियर बनाए गए हैं, 07 पार्किंग बनाई गई हैं, 06 मोबाइल पार्टी बनाई गई हैं। बाबा विभूति नाथ मंदिर व मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार व निकास पर पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया है। एक खोया पाया केंद्र भी बनाया गया है। कावड़ियो/श्रद्धालुओं की आकस्मिक चिकित्सा हेतु एक रास्ते में सचल एंबुलेंस में कुशल चिकित्सकों की टीम लक्ष्मण नगर से विभूतिनाथ मंदिर तक भ्रमणशील अवस्था में रहेगी।

पुल के नीचे सायकिल चप्पल छोड़ युवक हुआ लापता, ढूंढने में जुटे ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच -रिंकू जायसवाल

श्रावस्ती- जनपद के थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत भांभे पारा पुल के पास गहरे तालाब के किनारे साइकिल चप्पल के मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गई। वही सूचना पाते ही घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों की मदद से तलाश करने में जुटी है। मामला थाना इकौना के खिचड़ी गांव निवासी केशव राम पुत्र मंगल प्रसाद उम्र करीब 50 वर्ष जो सुबह सवेरे साइकिल लेकर घर से निकले थे काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने आशंका जाहिर करते हुए ढूंढने में जुट गई। पुल के पास साइकिल और चप्पल खड़ी हुई देखकर खेतों में कार्य कर रहे लोगों के द्वारा आशंका जताई जाने लगी की कहीं इसी पानी में तो कोई युवक डूब तो नहीं गया। ढूंढते ढूंढते मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों ने जब चप्पल साइकिल देखा तो शंका जाहिर की कि कहीं केशवराम इसी तालाब में डूब तो नहीं गए है। सूचना पाते ही घटनास्थल पर पहुंची एनडीआरएफ टीम ग्रामीण गोताखोर युवक की तलाश करने में जुट गए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने गो आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने विकास खण्ड गिलौला के अन्तर्गत कई अस्थाई गो आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने गो आश्रय स्थल मिखाटीपुर मसढ़ी का निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रय स्थल में 112 पशु संरक्षित पाये गये। गौशाला में कुछ जगह पर जल जमाव की स्थिति पायी गई है, जिसे तत्काल पम्प लगाकर निकलवाने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त उन्होने आश्रय स्थल में चरनी, शेड व मार्ग पर खड़ंजा तत्काल लगवाये जाने का निर्देश दिया। हरा चारा काटने हेतु मशीन व नियमित हरा चारा दिया जाय तथा एक सप्ताह में कार्य की प्रगति फोटोग्राफ्स सहित उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। तदोपरान्त मुख्य विकास अधिकारी ने स्थाई गो आश्रय स्थल काशीपुर मूसा का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 578 पशु संरक्षित पाये गये, जिसमें 02 पशु बीमार पाये गये है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का तहसील मे हुआ आयोजन, 26 शिकायती पत्र दर्ज किये गये

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) आज तहसील के बैठक हाल मे सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया एसडीएम ज्योति सिंह की अध्यक्षता मे आज 26 शिकायती पत्र दर्ज किये गये और एक भी शिकायत का कोई निस्तारण नही हुआ इस मौके पर किया गया इस अवसर पर तहसीलदार बीरेंद्र गुप्ता सी ओ उमेश कुमार पांडेय खंड विकास अधिकारी मानु लाल यादव नयाब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल व सुधीर कुमार सिंह ए आर ओ मनोज कुमार तिवारी एसडीओ विद्युत अनिरुद्ध कुमार मौर्य नगर पालिका से सफाई इंस्पेक्टर हरिशंकर निरंजन और राजस्व निरीक्षक सुनील यादव कोतवाल अरुण कुमार राय मंडी से अजीम खां सहित कई विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे शिकायतो को दर्ज करने मे मनीष कुमार लगे रहे

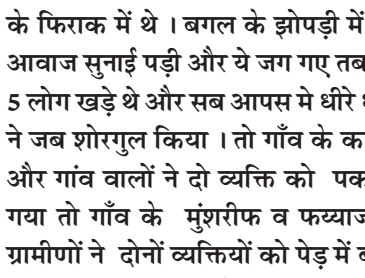

ग्रामीणों ने चोर को पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- ग्राम पंचायत लक्ष्मन पुर कोठी के निवासी बाबू राम उर्फ छोटन पुत्र भगौती निवासी कुट्टी पुरवा दा0 लक्ष्मन पुर कोठी थाना मल्हीपुर ने थाना मल्हीपुर में प्रार्थना पत्र दिया है कि मेरे गाँव मुंशरीफ पुत्र सेखावत , फय्याज पुत्र सलीम तथा दो?अन्य चोर बीती रात को करीब 1:30 बजे उपरोक्त व्यकि चोरी करने के फिराक में थे । बगल के झोपड़ी में सो रहे बाबू राम को कुछ आवाज सुनाई पड़ी और ये जग गए तब देखा दीवार के पास 4 से 5 लोग खड़े थे और सब आपस मे धीरे धीरे बाते कर रहे थे । प्रार्थी ने जब शोरगुल किया । तो गाँव के काफी लोग इकट्ठा हो गए । और गांव वालों ने दो व्यक्ति को पकड़ लिया । पहचान किया गया तो गाँव के मुंशरीफ व फय्याज नाम के दो व्यक्ति थे । ग्रामीणों ने दोनों व्यक्तियों को पेड़ में बाँध दिया । और स्थानीय पुलिस थाना मल्हीपुर को सूचना दिया । ग्रामीणों ने उपरोक्त चोरो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की मांग किया है।

लेखपाल पर गिरी गाज, एसडीएम ने किया निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कांधला।गांव डुंडूखेड़ा में तैनात लेखपाल का किसान से रिश्वत मांगने का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोप हैं कि रुपये लेने के बाद भी काम न होने से नाराज किसान ने ऑडियो वायरल करने के साथ ही मुख्यमंत्री के साथ जिले के अधिकारियों को भी भेजी है। एसडीएम कैराना ने लेखपाल को निलंबित कर दिया है। गांव डुंडूखेड़ा में तैनात हल्का लेखपाल आफताब अली का एक किसान से रिश्वत लेने व और रुपये मांगने का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। किसान का आरोप है कि गांव के खसरा नंबर 479 व 490 में उसकी मां कलावती पत्नी तहरी के नाम से दर्ज है। खसरा नंबर 479 में उनकी लगभग 50 मीटर भूमि मौके पर कम है। आरोप है कि पड़ोसी किसान रोशन के द्वारा अपनी भूमि में मिट्टी खनन का कार्य कराया गया था। जिसके चलते उसने मौके से चार से पांच फुट मिट्टी का खनन कराते हुए उनकी चकरोड को काटकर अपनी भूमि में मिला लिया है।चकरोड कट जाने के कारण उसे भारी परेशानी का सामना करना पडता है। लेखपाल आफताब अली पर आरोप है कि उसने किसान से उसकी चकरोड मुक्त कराने तथा उसकी जमीन की पैमाइश से संबंध में रुपये मांगे थे। किसान ने लेखपाल द्वारा मांगे गए रुपये 20 हजार रुपये उसे दे भी दिए। लेकिन लेखपाल के द्वारा पैसे लेकर भी उसका काम ना करने पर किसान काफी परेशान होने लगा। परेशान किसान ने लेखपाल को पहले दे दिए गए रुपये का बातचीत करने के दौरान ऑडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस मामले में एसडीएम कैराना स्वप्निल यादव ने नायब तहसीलदार राहुल कुमार, कानूनगो, लेखपाल आदित्य व शुभम की चार सदस्यीय जांच समिति बनाई थी। एसडीएम ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर लेखपाल आफताब अली को निलंबित कर दिया गया है।

करंट लगने से संविदा कर्मी की मौत, शव रखकर किया हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच -रवि शंकर

अलीगढ़ के बरला क्षेत्र अंतर्गत गांव टिकटा के पास बिजली की लाइन ठीक करते समय अचानक से बिजली की आपूर्ति शुरू हो गई। इससे लाइन ठीक कर रहा संविदा कर्मी करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजन 22 जुलाई को शव लेकर बिजली घर पहुंचे हैं और जमकर हंगामा कर रहे हैं। थाना पालीमुकीमुपर के गांव रूपवास निवासी 33 वर्षीय हरपाल सिंह पुत्र मक्खन सिंह अरनी गांव स्थित बिजली घर में संविदा पर पेट्रोल मैन के पद पर कार्यरत थे। रविवार की शाम टिकटा के पास लाइन में खराबी पर बिजली घर से शटडाउन लेकर वह लाइन ठीक कर रहे थे। इसी बीच बिजली घर से अचानक आपूर्ति शुरू कर दी गई। इससे हरपाल सिंह करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। खबर पाकर विद्युत विभाग के एसडीओ और जेई भी मौके पर पहुंचे। एसडीओ शत्रुघ्न चौहान ने बताया कि उन्होंने थाने में तहरीर दी थी, लेकिन थाना पुलिस परिवार की ओर से तहरीर मिलने पर कार्रवाई की बात कह रही है। शटडाउन के बावजूद बिजली की आपूर्ति क्यों शुरू हुई, इसकी जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। परिजन शव को लेकर बिजली घर पहुंचे और वहां रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। जेई जय किशन, एसडीओ शत्रुघन चौहान, खंड अधिकारी प्रमोद कुमार वहां पहुंचे हैं और विभागीयस्तर से साढ़े सात लाख मुआवजे का आश्वासन दे रहे हैं, जबकि मृतक के परिजन 50 लाख मुआवजे की मांग कर रहे हैं। अभी दोनों ओर से किसी भी बात पर सहमति नहीं बनी है।

आकिब ने आकाश बनकर हिंदू युवती से किया रेप, भाई को मारने की धमकी देकर मतांतरण का बनाया दबाव

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़। बन्नादेवी क्षेत्र में एक मुस्लिम युवक ने अपनी पहचान छिपाकर युवती से दोस्ती की। इसके बाद शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इस दौरान तस्वीर खींच ली, जिन्हें प्रसारित करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था। पूर्व मेयर शकुंतला भारती व अन्य भाजपाइयों ने थाने पहुंचकर लव जेहाद का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। बन्नादेवी क्षेत्र के एक इलाके में रहने वाली युवती के अनुसार दो वर्ष पहले उसकी मुलाकात सराय रहमान निवासी आकिब खान से हुई थी। आकिब ने अपना नाम आकाश बताया और उसे बातों में फंसाकर नजदीकिया बढ़ा लीं। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान चुपके से उसकी तस्वीर खींच ली। जब युवती को जानकारी हुई कि आकिब ने उससे अपनी पहचान छिपाई थी तो आरोपित तस्वीर प्रसारित करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। इसके बाद कई बार संबंध बना चुका है। इस दौरान उसे नशे की गोलियां खिलाता था। अब आरोपित मतांतरण कर शादी का दबाव बना रहा है। उसने इकलौते भाई को तमंचे से गोली मारने की धमकी दी। परिवार को केस में फंसाने की दी धमकी- आरोप है कि 18 जुलाई को रात साढ़े नौ बजे आकिब ने घर आकर धमकी दी कि अगर उसकी बात नहीं मानी तो कोई दुर्घटना कर युवती व उसके परिवार को झूठे केस में फंसा देगा। इसके बाद से युवती तनाव में है। सीओ द्वितीय आरके सिसोदिया ने बताया कि आकिब के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। युवती का मेडिकल स्वास्थ्य कराया जा रहा है। साथ ही आरोपितों की तलाश की जा रही है।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बस्ता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध नगर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आज दिनांक 22 7.2024 को बस्ता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की 180 बहनों ने प्रतिभाग किया। जिसमें कक्षा नवम से द्वादश तक की बालिकाओं में वंशिका, मानवी पवार, सृष्टि भारद्वाज, अवनी मलिक, माही ,वंशिका, आकांक्षा, प्रज्ञा चौधरी, सुरभि राजपूत ,जानवी, साक्षी ने प्रथम स्थान राधिका नामदेव, अवनी संगल, महक, वंशिका गोयल, परिणीति, अदिति, वंशिका, वैष्णवी जैन, नैना मलिक, निकिता रानी, अवनी, गार्गी गौतम ने द्वितीय स्थान साक्षी ,तनक, सृष्टि रानी ,कल्पना, वृंदा इशू गिल, अक्षी मित्तल ,प्रियांशी, माही जांगिड़ ,कशिश ,अंशिका ,नंदिनी कालखंडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही विद्यालय में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के अधिकारियों द्वारा बालिकाओं को खाता खोलने का प्रशिक्षण भी दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बस्ता प्रतियोगिता समय पर कार्य करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने निर्णायक मंडल मैं उपस्थित पूर्व आचार्या श्रीमती अपूर्वा मित्तल, कुमारी प्राची नामदेव ,पूर्व छात्रा अंशिका शर्मा, सृष्टि अग्रवाल ,प्रेरणा मित्तल, शिवानी को निष्पक्ष निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ आचार्य संजीव कुमार, कविता गुप्ता, गीता कांबोज, अमित कुमार, रवि कुमार ,कपिल वशिष्ठ ,विकास कुमार, मोहित शर्मा, अमित नामदेव, वंदना पुंडीर, दिव्या शर्मा, सुरभि मित्र, संदीप कुमार, नीलम पाल, रेनू, साक्षी मित्तल, राहुल गिरी, पंकज बंसल, धर्मेंद्र कुमार आदि आचार्य गण उपस्थित रहे।

शामली में अवैध कब्जे के विरोध पर जमकर चले लाठी-डंडे और धारदार हथियार, तीन घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

कैराना ।सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के विरोध पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। गांव रामड़ा में सरकारी भूमि स्थित है, जिस पर दशकों से कुरड़ी डलती आ रही है। इसी भूमि पर एक पक्ष के लोग अवैध कब्जा करना चाहते हैं, जिसका नाजिम पक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है। इसी को लेकर रविवार शाम जब नाजिम अपने घर पर बैठा हुआ था आरोप है कि तभी विपक्ष के करीब लोग घर में घुसे। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। वहां मौजूद नाजिम के साथ बुरी तरह से मारपीट की गई। पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे उसके परिवार के कादिर व मुशर्रफ को भी पीटा गया, जिसमें वह तीनों घायल हो गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस ने घायलों को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया। नाजिम का कहना है उनके द्वारा अवैध कब्जे का विरोध इसलिए किया जा रहा है, ताकि वह लोग अपना कूड़ा वहां डाल सके। पीड़ित पक्ष ने हमलावरों के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। उधर, दूसरे पक्ष ने भी मारपीट करने का आरोप लगाया है।

मामूली तकरार... टूट रहे परिवार: कहीं मोबाइल बना रिश्ता टूटने का कारण तो कहीं माता-पिता के दखल से दूर हुए दंपती

कहीं मोबाइल बना रिश्ता टूटने की वजह तो कहीं माता-पिता और परिवार के दखल से दंपती दूर हो गए। मोबाइल पर बातचीत, बहू को रील बनाने से टोकने, सब्जी में नमक ज्यादा होने जैसी तमाम वजह कलह का सबब बन रही हैं। नौबत तलाक तक पहुंच जाती है। जोड़ी आसमान बनती है इसीलिए पति-पत्नी का रिश्ता सात जन्मों का माना जाता है, लेकिन इस भौतिकवादी युग में रिश्तों के मायने बदलने लगे हैं। मसलन, छोटी सी बातें वैवाहिक रिश्तों की मिठास में खटास घोल रही हैं। मोबाइल पर बातचीत, बहू को रील बनाने से टोकने, सब्जी में नमक ज्यादा होने जैसी तमाम वजह कलह का सबब बन रही हैं। नौबत तलाक तक पहुंच जाती है। नतीजतन, जन्म-जन्मातंर का यह बंधन शादी के चंद दिन बाद ही टूट जाता है। परिवार परामर्श केंद्रों में दर्ज लगातार ऐसे मामले बढ़े हैं।माता-पिता के दखल से बिगड़ रही बात- बच्चों की शादी से पहले हर माता-पिता ढेरों सपने देखते हैं। बेटी कई सपने संजोकर ससुराल जाती है, लेकिन कई बार जैसे सपने माता-पिता और बेटी देखते हैं, ससुराल में माहौल इसके विपरीत मिलता है। इसका मतलब यह नहीं कि उनकी बेटी को अच्छी ससुराल या अच्छा पति नहीं मिला। लेकिन समझदार माता-पिता और बेटियां नए माहौल में खुद को ढाल लेते हैं। कई बार बेटी के मोह में मामूली बातों पर भी माता-पिता ससुराल की छोटी-छोटी बातों में दखल देने लगते हैं। इससे बेटी का रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चल पाता है। माहौल में खुद को ढालने का करें प्रयास- ये हाल केवल मायके पक्ष का ही नहीं है, कुछ ससुराल पक्ष के लोग भी अपनी बहू से ढेरों उम्मीदें रखते हैं। खास तौर पर सास जब खुद बहू बनकर आई थीं, उसी रूप में वह अपनी बहू को भी देखना चाहती हैं। जबकि वक्त के साथ काफी बदलाव आ चुका है। कुछ ननद भी अपनी भाभी से काफी उम्मीदें रखती हैं। ऐसे में कई बार बहू को छोटी-छोटी बातों पर सास ननद के दखल के साथ यह सुनना पड़ता है, हमारे यहां तो ऐसा नहीं होता। यही बातें कई बार विवाद का कारण बन जाती हैं। माता-पिता को भी नवदंपती की भावना को समझते हुए अपने हिसाब से ढालने का प्रयास करना चाहिए। टूटते घर जोड़ने का प्रयास करते हैं पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी आंचल शर्मा ने बताया कि शिकायतें आने पर हर 15 दिन में पति और पत्नी को बुलाया जाता है। उनकी काउंसिलिंग कराई जाती है। डेढ़ महीने तक दोनों पक्षों में सुलह के प्रयास कर टूटते घर जोड़ने का प्रयास किया जाता है। अगर इसके बावजूद बात नहीं बनती या फिर कोई पक्ष नहीं आता तो कानूनी कार्रवाई शुरू की जाती है। -केस-एक- ब्रह्मपुरी क्षेत्र निवासी महिला की पिछले साल ही शादी हुई थी। वह रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती है। सास ने इस पर एतराज जताया तो तकरार हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि लड़ाई झगड़े हुए और बहू ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत कर दी। दो महीने से परिवार परामर्श केंद्र में मामला चल रहा है। केस-दो- गंगानगर निवासी दंपती के मामला तीन माह से परिवार परामर्श केंद्र में मामला चल रहा है। महिला का कहना है कि सास को खाने में कम नमक खाने की आदत है। सब्जी में नमक ज्यादा होने पर वह ताने देती है। उसकी सास व ननद उनके काम में कमी निकालती हैं। पति से शिकायत करती है। वह ध्यान नहीं देता और काम व मोबाइल में मशगूल रहता है। केस-तीन- कंकरखेड़ा निवासी दंपती के बीच चार माह से विवाद चल रहा है। युवक का आरोप है कि पत्नी के मां-बाप उनके घर के निर्णयों में काफी दखल देते हैं। पत्नी घर की छोटी-छोटी बातें फोन पर अपनी मां को बताती है। इसके अलावा सारा दिन मोबाइल चलाने में व्यस्त रहती है। टोकने पर वह झगड़ा करने लगती है। परिवार परामर्श केंद्र में दोनों के बीच सुलह के प्रयास चल रहे हैं। केस-चार- टीपीनगर निवासी युवक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पत्नी घर के काम करने में आनाकानी करती है। जरूरत से ज्यादा पैसों की मांग करती है। संजने-संवरने के सामान में भी काफी रुपये खर्च करती है। पत्नी के अधिक खर्च करने का विरोध किया तो उसने अपने मायके वालों को बुला लिया। जिन्होंने युवक और उसकी मां व बहन के साथ मारपीट कर दी। केस-पांच- सहारनपुर निवासी युवती की शादी पांच जुलाई 2022 को दाल मंडी के रहने वाले युवक से हुई थी। एक साल बाद मोबाइल को लेकर झगड़े होने लगे। मामला परिवार परामर्श केंद्र पहुंचा। दोनों के परिवार वालों को बुलाया। काउंसिलिंग हुई। इसके बाद दोनों का समझौता हुआ। केस-छह- मुजफ्फरनगर कोतवाली मंडी क्षेत्र के चिलकाना रोड निवासी युवक की शादी 21 फरवरी 2021 को देहात कोतवाली क्षेत्र में बेहट रोड की रहने वाली युवती से हुई थी। शादी के छह महीने बाद ही टीवी में सीरियल देखने को विवाद होने लगा। मामला परिवार परामर्श केंद्र पहुंचा और दोनों की काउंसिलिंग की गई। करीब एक महीने तक काउंसिलिंग होने के बाद समझौता हुआ। केस-सात- बागपत के छपरौली थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला और सास के बीच अनबन में मायके जाने का मामला सामने आया। जिनके बीच पिछले चार-पांच महीने से विवाद चल रहा था। महिला पुलिस अधिकारियों ने काउंसलिंग कराकर दोनों के बीच समझौता कराया। केस-आठ- मुजफ्फरनगर के थाना नई मंडी के मुस्तफाबाद निवासी युवती की शादी 20 जून 2009 को राकेश के साथ हुई थी। मारपीट और दहेज मांगने पर विवाद शुरू हो गया। परामर्श केंद्र पर दोनों के बीच समझौता हुआ। मेरठ में साढ़े तीन साल में परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचे मामले वर्ष शिकायतें मुकदमे समझौते लोक अदालत 2021 2340 60 580 919 2022 3153 149 784 1301 2023 4046 24 1877 2795 2024 2447 21 1172 1203 नोट- वर्ष 2024 के मामले 30 जून तक हैं। पति-पत्नी के विवाद में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद के मामले में अधिक सामने आ रहे हैं। महिला-पुरुष दोनों ओर से इस तरह की शिकायतें मिलती हैं। पुलिस का प्रयास है कि परामर्श के माध्यम से रिश्तों को टूटने से बचाया जाए। - डॉ. विपिन ताडा, एसएसपी शामली में सबसे कम विवाद- शामली में परिवार परामर्श केंद्र पर इस समय तीन मामले चल रहे हैं। पिछले एक साल में 15 पारिवारिक विवाद के मामले हैं। चार मामलों में दंपती के बीच एक साथ रहने के लिए समझौता हुआ है। आठ मामलों में फाइल बंद हुई है। एक मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई है। सहारनपुर में 124 विवादों में समझौता- पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में एक साल के अंदर 307 प्रार्थना पत्र आए। इनमें से 124 मामलों में समझौता हुआ। 29 मामले लंबित हैं। 30 मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया। दो मामले ऐसे रहे, जिनमें फैसले हुए हैं। बागपत में 135 प्रकरणों में कानूनी कार्रवाई की संस्तुति- बागपत एसपी कार्यालय में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में जुलाई 2023 से जुलाई 2024 तक 450 प्रकरण आए। 255 से अधिक प्रकरणों में समझौता होने के बाद दंपती साथ भेजे गए, जबकि 135 प्रकरणों में कानूनी कार्रवाई की संस्तुति की गई। अब वर्तमान में 60 प्रकरण लंबित चल रहे हैं। दोनों पक्षों को बुलाकर काउंसिलिंग भी कराई जा रही है। मुजफ्फरनगर में 213 मुकदमों में समझौता- मुजफ्फरनगर पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पिछले एक साल में 581 प्रार्थना पत्र आए। इनमें 213 मामलों में समझौता हुआ। 23 मामलों की सुनवाई चल रही है। कुल 90 मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया। आवेदक की ओर से 255 पत्रावलियां बंद करा दी गईं। बिजनौर में 236 दंपतियों में सुलह कराई- बिजनौर के परिवार परामर्श केंद्र में एक जनवरी से जून 2024 तक 469 प्रार्थना पत्र आए। इनमें 236 मामलों में आपसी बातचीत और समझौता कराते हुए जोड़ों के बीच सुलह कराई गई। 22 मामलों में सुलह नहीं हो सकी और रिपोर्ट दर्ज हो गई। 469 प्रार्थना पत्रों में 106 ऐसे मामले थे जो पहले से ही कोर्ट में विचाराधीन थे। फिलहाल 67 मामले लंबित हैं। इनमें पति और पत्नी को परामर्श केंद्र पर बुलाकर काउंसिलिंग कराते हुए सुलह का प्रयास किया जा रहा है। 38 प्रार्थना पत्रों को महिला थानों में भेजकर सुलह कराई गई है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

विलयधाम मंदिर में हुआ विशाल भण्डारा उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा ।विलयधाम मंदिर में नारायण वंदना से हुआ। इस भंडारे की विशेषता यह है कि भंडारा प्रातःकाल से देर शाम तक चलता रहा । भोग ग्रहण करने के लिए श्रद्धालु भक्तजनों का तांता निरंतर लगा रहा। सावन के प्रथम सोमवार को इस भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे का सर्वाधिक विशिष्ठ और अनमोल आकर्षण रहे- भगवान शैलजा नारायण का अपने भक्तों को अविरल प्रत्यक्ष सानिध्य, जो भक्तो को निरंतर उत्साहित एवं आहलादित किये रहा। इस भंडारे में बरेली शहर के साथ-साथ रिठौरा के आस पास के ग्राम वासी एवं मुरादाबाद, कानपुर, बदायूं लखनऊ, काशीपुर, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा-दिल्ली और कोलकत्ता आदि स्थानों से भक्त जनों ने आकर भगवान को अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किये। भंडारे में भोग के साथ-साथ भजन एवं कीर्तन में भक्त जनो को भाव विभोर कर दिया । वे आनंद से झूम उठे। भगवान् के जयकारे की ध्वनि से मंदिर का प्रांगढ़ गुंजायमान हो उठा । इस मौके पर अध्यक्ष विजय अग्रवाल, प्रोफेसर मधुदीप, दिव्या, सुमित वैश्य, सुधीर कुमार गोयल, पूनम कश्यप, सुषमा सक्सेना, विमलेश कुलश्रेष्ठ, रोहित कश्यप, देवेश वैश्य, अमरनाथ मेहरोत्रा, नीरज चावला, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, ऋतुराज, वरूण गुप्ता ,मनोज शर्मा,कुशल गुप्ता, मनोज शर्मा, दिव्यांशु वैश्य सहित सैकड़ों भक्तगण मौजूद रहे।

घर से ले गए दोस्त, शराब पीकर कर दी हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच -रवि शंकर

अलीगढ़ के थाना बरला क्षेत्र के गांव खैरूपुरा में नशे में दोस्त की हत्या कर शव भट्टे पर फेंका दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिजनों ने पांच आरोपियों के खिलाफ तहरीर दे दी है। वहीं, पुलिस ने 4 आरोपियो को पकड़ लिया है। मृतक के भाई श्यामलाल ने बताया कि राजू को उसके पांच दोस्त घर से बुलाकर धान की पौध रखवाने के लिए ले गए थे। पांचो दोस्तों ने जंगल में शराब का सेवन किया। तभी किसी बात पर विवाद हो गया और राजू के साथ जमकर मारपीट कर हत्या कर दी। शव को भट्टे पर भेंक दिया। सीओ बरला सर्जना सिंह ने बताया शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर पांच लोगो पर रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें 4 को पकड़ लिया है। फरार की तलाश पुलिस कर रही है।

झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ शहर निवासी एक महिला ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का एक व्यक्ति पर आरोप लगाया है। साथ ही उसके भाई, दोस्त पर दुष्कर्म की कोशिश करने और आरोपी की पत्नी पर दुष्कर्म में सहयोग करने का आरोप मढ़ा है। मामले में एसएसपी के आदेश पर चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। पीड़िता के अनुसार वह शादीशुदा है और 16 साल का बेटा है। वर्ष 2017 से पति से कोई संबंध नहीं है। करीब दो साल पहले मोबाइल के जरिए एक युवक से संपर्क हो गया। उसने पति से तलाक लेकर शादी करने का झांसा दिया। 22 जून की शाम उक्त युवक का बड़ा भाई परिजनों से मिलाने की बात कहकर सिकंदराराऊ ले गया, वहां पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने के बाद दुष्कर्म किया। पीड़िता के अनुसार वह शादीशुदा है और 16 साल का बेटा है। वर्ष 2017 से पति से कोई संबंध नहीं है। करीब दो साल पहले मोबाइल के जरिए एक युवक से संपर्क हो गया। उसने पति से तलाक लेकर शादी करने का झांसा दिया। 22 जून की शाम उक्त युवक का बड़ा भाई परिजनों से मिलाने की बात कहकर सिकंदराराऊ ले गया, वहां पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने के बाद दुष्कर्म किया।

गौसगंज बवाल: घायल तेजराम की मौत... पत्नी रो-रोकर हुई बेसुध; जानिए 19 जुलाई की रात का पूरा घटनाक्रम

बरेली के शाही थाना क्षेत्र के गांव गौसगंज में हुए बवाल में घायल तेजराम की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस गांव में 19 जुलाई की रात एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के घरों पर पथराव कर दिया था। लोगों को लाठी डंडों से पीटा था। घटना में पूर्व प्रधान हीरालाल के बेटे तेजराम समेत कई लोग गंभीर घायल हो गए थे। तेजराम का बरेली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। रविवार की रात साढ़े तीन बजे तेजराम ने दम तोड़ दिया।

सोमवार को सुबह उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। तेजराम की मौत के बाद गौसगंज गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस और पीएसी को तैनात किया गया है। वहीं बवालियों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। उनके घरों पर बुलडोजर चल सकता है। अवैध निर्माण पर लाल निशान लगाए गए हैं। गौसगंज गांव में दो समुदायों के विवाद की जांच में प्रारंभिक तौर पर ताजिया घुमाने के दौरान पुलिस की लापरवाही सामने आई। एसएसपी ने मामले में जांच कराने के बाद दरोगा समेत चार को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं, एक सिपाही निलंबित किया गया है। घटना के बाद जांच में पता लगा कि घटना की नींव 16 जुलाई को ही पड़ गई थी। मुहर्रम पर गांव में ताजिया घुमाया जा रहा था। तब एक समुदाय के लोगों ने ताजिया दूसरे समुदाय की बस्ती में ऐसी जगह रख दिया, जहां पहले कभी नहीं रखा गया। लोगों ने ऐतराज जताया तो उन्हें हड़काकर चुप करा दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ये पुलिसकर्मी गांव में जुलूस के साथ मौजूद थे। बताते हैं कि पीआरडी जवान बख्तावर और ग्रामीण रियासत गांव में नेतागिरी करते थे। इनकी दोस्ती सिपाही नफीस से थी और नफीस की वजह से बाकी पुलिसकर्मी भी एक पक्ष का उत्पीड़न देखते रहे। एसओ की जांच में स्थिति स्पष्ट हो गई। खुराफातियों के साथ पुलिस बख्तावर और रियासत को भी जेल भेज चुकी है।पुलिस ने शनिवार रात गौसगंज निवासी आलमगीर और निजाकत को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आलमगीर के पैर में गोली लगी है। अब तक 35 से अधिक आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। उधर, आरोपियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। गांव में राजस्व टीम ने भी 16 आरोपियों के घरों की नापजोख की। अवैध निर्माण पर लाल निशान लगाया गया है। बवाल में गंभीर घायल तेजराम की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। उसकी पत्नी व अन्य परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पत्नी अनीता देवी बेहोश हो गई। पिता हीरालाल ने बताया कि तेजराम शादीशुदा था। घटना के वक्त वह लोगों को झगड़ा न करने के लिए समझाने गया था, लेकिन आरोपियों ने उसकी जान ले ली। तेजराम की मौत के बाद गांव में तनाव के चलते पुलिस-पीएसी लगा दी गई है। एसडीएम मीरगंज व पुलिस अधिकारी भी गौसगंज पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। वहीं गांव में पुलिस की सख्ती के बाद एक समुदाय के अधिकतर परिवारों के घरों में दरवाजा पर ताला लटका है। महिलाएं भी घर छोड़कर रिश्तेदारी में चली गई हैं।

नदियों के निशाने पर गांव... 1500 किसानों की 900 एकड़ फसल बर्बाद, भुखमरी के साये में बड़ी आबादी

शारदा नदी में आए उफान की वजह से रविवार को मजरा दंबलटांडा से लेकर रैनागंज तक बना परियोजना तटबंध कट गया। इससे नदी किनारे की करीब 1500 किसानों की 900 एकड़ कृषि भूमि डूब गई। इसमें गन्ना, धान समेत अन्य फसलें थीं। शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से लगातार फसलें खराब हो रही हैं, इससे किसानों के सामने भुखमरी का संकट खड़ा हो गया है। दंबलटांडा में 2017 में आठ करोड़ रुपये की लागत से शारदा नदी पर तटबंध बनवाया गया था, जो लगातार बाढ़ सहते-सहते कट गया है। ग्रामीणों ने तटबंध की मरम्मत कराने की मांग की है। लगातार पानी भरा रहने से फसलें खराब हो रही हैं। 2017 में आठ करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए शारदा नदी पर तटबंध की मरम्मत दोबारा से कराने को धनराशि मंजूर नहीं हुई। इससे मरम्मत के अभाव में धीरे-धीरे कटान होता रहा। शारदा नदी के किनारे के खेतों में फसलें बर्बाद हो रही हैं।ग्रामीणों ने अधिकारियों से बर्बाद हुई फसलों का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्राम प्रधान रमेश्वरापुर हर्षदीप सिंह ने बताया कि अगर रेवतीपुरवा व दंबलटांडा दोनों परियोजनाओं की मरम्मत हो जाती है तो किसानों की फसलों को बाढ़ के पानी से बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। बांध कट जाने से 900 एकड़ जमीन जलमग्न हो गई है। दंबल टांडा, रैनागंज, रामनगर, रेवतीपुरवा, बझेडा, दुबहा, नरायनपुरवा आदि गांवों में पानी घुस रहा है।फिर नदी के निशाने पर आए गांव- घाघरा नदी ने दो दशकों में जबरदस्त कटान कर सैकड़ों किसानों की हजारों हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि निगली है। माथुरपुर, कुरतैहा और मोटेबाबा का वजूद खत्म कर दिया था। तीनों गांवों के कटान पीड़ित ग्रामीण नदी से दूर सुरक्षित स्थानों पर जैसे-तैसे अपना आशियाना बनाकर गुजर बसर कर रहे थे, लेकिन घाघरा नदी को शायद वह मंजूर नहीं है। तीनों गांव पुन: घाघरा के निशाने पर आ गए हैं।साढ़े चार करोड़ की परियोजना को निगल रही घाघरा नदी - खेती-बाड़ी नदी में समाने के बाद ग्रामीणों के आशियाने उजड़ने का खतरा बढ़ गया है। घाघरा नदी करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से तैयार परियोजना निगल कर तेजी के साथ आबादी की ओर बढ़ रही है। घाघरा का जबरदस्त कटान देख ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ गई हैं। कुरतैहा और माथुरपुर से घाघरा नदी महज दो सौ मीटर की दूरी पर है, जिसकी आबादी करीब 2000 हजार के करीब है। यहां पर बांध घाघरा नदी में समा गया। इससे घाघरा आबादी की ओर बढ़ रही है। कई जगह बांध परियोजना पहली बारिश में ही धंस गई। जहां पैचअप कार्य हो रहा है।बाढ़ खंड विभाग के विगत वर्षों में कुर्तैहा और माथुरपुर गांवों को बचाने के लिए 498.52 लाख रुपये की लागत से 780 मीटर लम्बाई में बांध बनाया था। ऊपर मिट्टी डालने का कार्य हुआ था। जिसमें से करीब 200 मीटर घाघरा नदी निगल चुकी है।

घाघरा के जबरदस्त कटान को देखकर मुहाने पर गांव लालापुर, मोटेबाबा, रामनगर बगहा, तालियाघाट, गुलरिया और देवीपुरवा आदि गांव खड़े हैं। तीन दिन से हुई कटान में राम समुझ, राजेंद्र, जियालाल, इब्राहिम, इस्माईल के खेतों में फसलें नदी निगल चुकी है। चंद्रजीत, अकबर, इरफान, हैदर, आरिफ, साबिर, कल्लू, सौकत, मो सईद के खेत भी घाघरा नदी की जद में आ गए हैं। बाढ़ बचाव कार्य राहत कोष से चल रहे हैं। बाढ़ खंड के सहायक अभियंता भगवानदीन गौतम ने बताया कि डीसी बैग 45 से 50 किलो तक उपलब्ध हैं। परक्यूपाइन नहीं लगाई जा सकती, घुमावदार पानी की वजह से परियोजना पर खतरा बढ़ सकता है। शुक्रवार रात्रि घाघरा बैराज से अचानक ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण नदी के तेवर और कड़े हो गए हैं।अहिराना गांव का वजूद मिटाने के बाद शारदा नदी धोबियाना की तरफ तेजी से बढ़ रही है। धबियाना गांव शारदा के कटान की जद में है। गांव के मुख्य मार्ग के कट जाने से 36 परिवार पलायन करके तटबंध के बाहर आ गए हैं। उसके बाद नदी शंकरपुरवा, पकरियापुरवा की तरफ बढ़ती ही जा रही है। इन गांवों से नदी मात्र चंद कदम की दूरी पर कटान कर रही है। अगर नदी कटान करती है तो शंकरपुरवा के 60 और पकरियापुरवा के 50 घर तबाह हो जाएंगे। डर के कारण धोबियाना गांव के राजकुमार, भानु प्रताप, संजय कुमार, सुनील कुमार और शंकरपुरवा के रविन्द्र, मुशफिर, बबलू आदि पलायन कर मिलपुरवा में झोपड़ी डालकर गुजर बसर कर रहे हैं। रविवार को कई परिवार ट्रैक्टर-ट्राली से दूसरे स्थान पर पहुंचे।शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से लगातार फसलें खराब हो रही हैं। दंबलटांडा, रैनागंज, रामनगर, रेवतीपुरवा, बझेडा, दुबहा, नरायनपुरवा आदि गांवों में पानी घुस रहा है। अब 900 एकड़ में फसलें बर्बाद होने से किसानों के सामने भुखमरी का संकट खड़ा हो गया है। घाघरा बैराज से शुक्रवार रात्रि अचानक ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण नदी के तेवर और कड़े हो गए हैं। कुर्तैहा और माथुरपुर गांव के नजदीक बांध को लील चुकी घाघरा अब दो हजार की आबादी ने महज 200 मीटर दूर है। दो दशकों में बार-बार उफान और कटाव के चलते सैकड़ों किसानों की हजारों हेक्टेयर खेती की जमीन निगल चुकी घाघरा की वजह से बीते तीन में लहलहाती फसल नष्ट हो चुकी है।बिचला, बरूही, घोड़ाघाट, जित्तनपुरवा, गोडियन पुरवा, बिंटोलिया, देवमनिया, खैरीपुरवा, ठकुरीपुरवा, पसियन पुरवा, मोतीपुरवा, हुलासपुरवा, निबियापुरवा, मझरा, टपरी पुरवा, समेत अन्य गांवों का नामोनिशान मिटा चुका है।

महिला ने चार हाथ-पैर वाले अद्भुत बच्चे को दिया जन्म, देखने आने वालों की अस्पताल में लग गई भीड़

सीतापुर जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने चार हाथ-पैरों वाले अद्भुत बच्चे को जन्म दिया। उसे देखने के लिए अस्पताल में भीड़ लग गई।सीतापुर जिले के सांडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को एक महिला ने अद्भुत बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के चार हाथ चार पैर हैं। ऐसे अद्भुत बच्चे को देखने के लिए लोग आ रहे थे। सुबह 10 बजे बच्चे की मौत हो गई। सकरन थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव के कोरियनपुरवा पूनम रमा देवी (40) के रविवार देर रात प्रसव पीड़ा हुई। उन्हें पीएचसी रेवान में भर्ती कराया गया। सुबह करीब 5 बजे महिला ने इस अद्भुत बच्चे को जन्म दिया। इस बच्चे को देखने के लिए गांव से बड़ी संख्या में लोग आने लगे। हालांकि, बच्चे ने करीब 5 घंटे बाद सुबह 10 बजे दम तोड़ दिया।एक दूसरे से जुड़ा था शरीर- पूनम के पति रामफल ने बताया कि पत्नी ने एक अद्भुत बालक को जन्म दिया था। बालक का पूरा शरीर एक दूसरे शरीर से जुड़ा था। एक शरीर विकसित तो दूसरा अविकसित था। उसके चार हाथ और चार पैर भी थे। बच्चे को देखकर सीएचसी की कुछ महिलाएं भयभीत होने लगीं तो उसे लेकर बाहर आ गया। हालांकि, इस बच्चे ने पांच घंटे बाद दम तोड़ दिया है।

माध्यमिक शाला थरगी में 4 शिक्षक 3 बच्चो को पढ़ा रहे हैं साहब इसे क्या कहेंगे

क्यूँ न लिखूँ सच

ओड़गी - ब्लॉक मुख्यालय में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति अभी सुर्खियों में बनी है एक ओर पालक और प्रतिनिधि शिक्षक वापसी के लिए आन्दोलन करने की बात कह रहे हैं और दूसरी ओर ऐसा हो रहा हैं जिसकी खबर होते हुऐ भी विभाग के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं ऐसे में शिक्षा व्यवस्था पर दर्जनों सवाल भी खड़े हो रहे हैं माजरा यह है कि थरगी माध्यमिक शाला में इन दिनों अजब गजब का मामला सामने आया है जहां एक ही स्कूल में चार शिक्षक 3 बच्चें को पढ़ा रहे हैं फिर भी स्तिथि पढाई के स्तर बिल्कुल ठीक नहीं है और वहां मौजूद शिक्षक सभी विषय पढ़ाने का दावा भी करते नजर आ रहे थे तो एक बच्चे को बुलाकर ब्लैक बोर्ड में लिखवाना चाहा तो उसने साफ मना ही कर दिया की मुझे नही आता अंग्रेजी भाषा ऐसे में तो सवाल बनता हैं कि एक स्कूल में 3 बच्चों के बीच 4 शिक्षक फिर भी स्तिथि सामान्य कैसे होगा ब्लॉक मुख्यालय का यह खस्ता हालत कब ठीक होगा, सूत्रों की माने तो पिछले वर्ष भी यहां 1 बच्चे और चार शिक्षक मौजूद थे इस वर्ष 2 बच्चे बढ़ाए गए हैं लेकिन स्तिथि जस के तस बना हुआ हैं।

0प्राथमिक शाला व मध्यमिक शाला के बच्चे रोज खाते है आलू सब्जी और चावल।। अधिकारियों और प्रधानपाठक की सांठगांठ के चलते प्राथमिक शाला व मध्यमिक शाला थरगी सरकारी स्कूल में बच्चों को मिलने वाले मध्याह्न भोजन में जमकर धांधली हो रही है। बच्चों को मेन्यू अनुसार भोजन नहीं मिलता। वहीं प्रधान पाठक द्वारा घटिया भोजन परोसा जाता है। इस बेहद गंभीर मामले में अधिकारियों और प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। इस लापरवाही के चलते गरीब बच्चों के पेट का निवाला छीन रहे हैं सरकारी स्कूलों में अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए शिक्षा के मंदिर में भेजा जाता है। जहां पर बच्चों को शिक्षक शिक्षा देते हैं और वहां पर अध्ययन करने वाले बच्चों को शासन द्वारा संचालित मिड डे मील योजना के तहत दोपहर के समय भोजन उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। जहां पर एक तो सरकारी स्कूलों के हालत यह है कि वहां पर एक तो मेन्यू के अनुसार बच्चों को भोजन उपलब्ध नहीं होता है। बच्चों की शैक्षणिक व्यवस्थाओं के प्रति किसी का ध्यान भी नहीं जाता है बच्चों ने बताया कि रोज हमे खाना में यही दिया जाता हैं उसमे भी सब्जी बिल्कुल तोड़ा सा चावल में अच्छे से मिक्स भी नहीं होता है। दोनों विषय का जानकारी लेने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी के पास संपर्क साधा गया लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नई नवेली दुल्हन ससुराल में इस तरह चली...शादी के 2 दिन बाद मचा बवाल, ससुर ने घर से निकाली, पति ने फेरा मुंह

शादी के बाद नई नवेली दुल्हन विदा होकर घर पहुंची। इस दौरान बहू के चलने का तरीका जब ससुर ने देखा तो गुस्से से आग बबूला हो गया। उसने बहू को घर से निकाल दिया। वहीं पति ने उसके सभी नंबर ब्लॉक कर दिया। पीड़िता थाने पहुंची और पूरी घटना पुलिस को बताई।आगरा में ऐसा मामला सामने आया, जिसे जानकर हैरान रह जाएंगे। अभी हाथों से मेहंदी का रंग उतरा भी नहीं था, घर के आंगन से मंडप का सामान भी नहीं उठा। आर्मी से रिटायर्ड ससुर ने शादी के दो दिन बाद ही बहू को दिव्यांग कह मायके भेज दिया। समाज की पंचायत में धोखा होने की बात कह कर रिश्ता तोड़ दिया। पति ने फोन नंबर ब्लॉक कर दिया। बदहवास नातिन को देख दुल्हन के नाना का देहांत हो गया। ससुराल पक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।परिवार परामर्श केंद्र के काउंसलर डॉ. अनुराग पालीवाल ने बताया कि लड़का कोई काम नहीं करता। लड़के और लड़की दोनों के पिता आर्मी से रिटायर्ड हैं। पिता ने अपनी इकलौती बेटी की शादी में पैसा पानी की तरह बहाया। लड़की को चलने में कोई परेशानी नहीं है। फिर भी ससुर ने दिव्यांग कह मायके भेज दिया। इस कारण इस मामले में एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

भाट को एसटी में शामिल करने की मांग वाली याचिका पर सरकार से मांगा जवाब

अखिल भारतीय भाट समाज एकता, इसके अध्यक्ष पवनेंद्र कुमार व एडवोकेट घनश्याम मौर्य ने जनहित याचिका में तर्क दिया है कि आजादी के 75 साल बाद भी भाट समुदाय को विमुक्त जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में भाट जाति को एसटी श्रेणी में शामिल करने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र व राज्य सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की खंडपीठ अखिल भारतीय भाट समाज एकता व अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि 22 अगस्त निर्धारित की है। अखिल भारतीय भाट समाज एकता, इसके अध्यक्ष पवनेंद्र कुमार व एडवोकेट घनश्याम मौर्य ने जनहित याचिका में तर्क दिया है कि आजादी के 75 साल बाद भी भाट समुदाय को विमुक्त जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें एसटी श्रेणी में शामिल करने का मामला लंबित है। याचियों ने सार्वजनिक रोजगार में अनुसूचित जनजातियों के रूप में भाट समुदाय को आरक्षण प्रदान करने की मांग की है। जनहित याचिका में कहा गया है कि राज्य के कुछ जिलों में रहने वाले विमुक्त जनजाति भाट समुदाय को एक सरकारी आदेश (मई 1961) द्वारा विशेष दर्जा दिया गया था। इसमें यह प्रावधान था कि शिक्षा, अकादमिक और सामाजिक कल्याण योजनाओं के प्रयोजनों के लिए विमुक्त जनजातियों को भारत के विभिन्न राज्यों में सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के लिए अनुसूचित जनजातियों के रूप में माना जाना चाहिए। जनहित याचिका में आगे कहा गया है कि जून 2013 में उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों और आयुक्तों को एक आदेश जारी किया, जिसमें जाति प्रमाण पत्र के लिए पात्र विमुक्त जनजातियों को विमुक्त जनजाति (विमुक्त जाति) के रूप में सूचीबद्ध किया गया। इसमें विशेष रूप से विमुक्त जनजातियों (ख) के तहत सीरियल नंबर 07 पर %%भाट%% समुदाय को शामिल किया गया। हालांकि राज्य सरकार ने जून 2013 के आदेश में भाट समुदाय को विमुक्त जनजाति/विमुक्त जाति के रूप में मान्यता दी थी और उन्हें एससी/एसटी श्रेणी में स्वीकार करते हुए जाति प्रमाण पत्र जारी किए थे। इसके बावजूद, भाट समुदाय को सार्वजनिक रोजगार और शैक्षणिक संस्थानों में लाभ नहीं मिले हैं। जनहित याचिका में कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारों ने भी समय-समय पर विभिन्न जातियों का वर्गीकरण किया है, लेकिन भाट जाति को अनुसूचित जनजाति के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी जनहित याचिका में कहा है कि अन्य विमुक्त जनजातियां बंजारा, भर, गंदीला, मल्लाह, केवट, मेवाती, नट, गूजर, गोंड, भोटिया, बुक्सा, जन्नसरी को यूपी के विभिन्न जिलों में ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत रखा गया है, उन्हें सार्वजनिक रोजगार और शिक्षा में आरक्षण का लाभ मिल रहा है।

किन्नरों के दो गुटों में हुई मारपीट, वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ के रोरावर थाना इलाके के नादा पुल के पास किन्नरों के दो गुटों में अलीगढ़-खैर बाईपास विवाद हो गया। विवाद के पीछे का कारण रुपये की उगाही बताई जा रही है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मारपीट बीच सड़क पर हो रही है। आरोप है कि किन्नरों के एक गुट के सदस्य सड़क से गुजरने वाले वाहनों में उगाही करते हैं। इसके चलते किन्नरों का दूसरा गुट और राहगीर परेशान है।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Sawan Somwar Vrat Recipe 2024: Consume these things during the fast of Sawan Monday, offer food to Mahadev as well

Lord Shiva Shankar is worshipped in the month of Sawan. Throughout this month, people worship Lord Shiva, perform rituals and many people also go on Kavad Yatra. Along with worship, many people also keep a fast on Monday falling in Sawan. Most people consume

fruits in this fast. If you are also thinking of keeping a fast on this day but you are doubtful about what you can eat, then this article is for you. Here we will tell you about some such dishes, which you can consume during the fast on Monday. By consuming these dishes, you will not feel hungry during the fast and you will remain fresh throughout the day. All these dishes are also very easy to make. In such a situation, you will not need to work hard to prepare it. Buckwheat flour puri- It is very easy to make puri from buckwheat flour. You can eat it with potato curry or curd. It is quite crispy, due to which its taste is even better. Sabudana Khichdi- There is hardly any person who does not like to eat Sabudana Khichdi. If you make it and feed it to your children, then their stomach as well as mind will be happy. In such a situation, you can prepare it without any fear. Buckwheat Pakora- The rainy season is also coming. In such a situation, you can also prepare Buckwheat Pakora on the day of fasting. It is very easy to make and it is also tasty to eat. Cutlet- If you want, you can also prepare either potato or sago cutlet for fasting. Serve it with Falahari green chutney. Its taste will increase manifold with the chutney. Makhana ki Kheer- If you are thinking of making something sweet, then Makhana ki Kheer is a better option. You can offer it to Mahadev. Offering Makhana ki Kheer is considered very good. In such a situation, prepare makhana kheer without thinking. Rajgira paratha- Paratha made from Rajgira flour, which can be eaten with curd or vegetarian vegetable. It is also very healthy. In such a situation, you can also prepare Rajgira paratha to eat on fasting days.

Health Alert: Does eating cabbage cause worms in the brain? Doctors unveil the mystery

You must have heard at some time that eating cabbage can cause worms in the brain? According to the Harvard T.H. Chan School of Public Health, cabbage is a natural source of vitamin-C, which plays a role in white blood cell production. Apart from this, it also has anti-

inflammatory and anti-cancer properties, which benefit health in many ways. Despite this, the most discussed topic about cabbage has been the worms in the brain caused by it. Does this really happen? Medical reports and health experts also confirm that if cabbage is not consumed properly, it can cause problems like swelling in the brain. But it is not that there is any live worm in cabbage which goes to your brain with food. Let's understand about this. Does eating cabbage cause worms in the brain? How true is it that worms reach the brain by eating cabbage and how does this happen? Gurugram-based neurologist Dr Priyanka Sehrawat says, cabbage is a vegetable grown on the ground. There is a worm called Tinea Solium in the ground, whose eggs are present in the soil. Not only cabbage, but these eggs often stick to many other vegetables grown in the soil. If these vegetables are eaten without washing them properly, then these eggs can reach the brain through the intestine and blood flow. This condition is known as brain worm, in medical language it is called neurocysticercosis. What did the research reveal? Dr Vijaynath Mishra, Professor of Neurology Department at Banaras Hindu University, says, it is important to be a little careful before eating cabbage, if the eggs of the worm enter the body, then they increase the risk of problems like epilepsy along with many other neurological disorders. When Dr Manish Modi of the Neurology Department of PGI Chandigarh cut cabbage from many parts of Punjab and Chandigarh and researched the eggs of cysticercus present on the leaves in the lab, it was found that these eggs can reach any part of the body. These worms can go to your brain and increase the risk of epilepsy. Carrots, potatoes, radishes can also be dangerous- Prof. Mishra says that no matter how much you cook cabbage, these eggs do not disappear. One way to do this is to add salt to lukewarm water and leave chopped cabbage or vegetables grown underground (carrots and radishes) for 30 minutes. After that, throw away that water and again wash the vegetables by rubbing them at least twice before using them in food. This can be the most effective way to avoid worms. What is the advice of experts?- Health experts say, it is not that you should stop eating cabbage completely, but it is very important to wash it properly before eating and take protective measures. Not only cabbage, but vegetables grown underground (carrots, potatoes, radishes, ginger) also need to be cleaned thoroughly before eating. Due to coming in contact with dirty water, animal urine, these can also have worms due to which there is a risk of developing diseases. Cleanliness of fruits and vegetables is very important.

Jyotirlinga in Maharashtra: How many Jyotirlingas are there in Maharashtra? Know how to get darshan in Sawan

There are a total of five Jyotirlingas in Maharashtra, which include the names of Bhimashankar Jyotirlinga, Trambakeshwar Jyotirlinga, Ghrushneshwar Jyotirlinga, Aundha Nagnath Jyotirlinga, Parli Vaijnath Dham. If you want to visit the ancient temples of Lord Shiva in Sawan, then you can go on a tour of 12 Jyotirlingas located in the country. If you are short of time, then you can go to visit the Jyotirlingas situated in your state. If you are a resident of Maharashtra, then you can visit many Jyotirlingas here. There are a total of five Jyotirlingas in Maharashtra, which include the names of Bhimashankar Jyotirlinga, Trambakeshwar Jyotirlinga, Ghrushneshwar Jyotirlinga, Aundha Nagnath Jyotirlinga, Parli Vaijnath Dham. Where are the Jyotirlingas of Maharashtra located- Bhimashankar Jyotirlinga- Bhimashankar Jyotirlinga, one of the 12 Jyotirlingas, is located at a distance of 100 km from Pune. This temple is at an altitude of about 3250 feet from the Sahyadri hills. The temple opening time is 4.30 am and closing time is 9.30 pm. Trimbakeshwar Jyotirlinga- In this Shiva temple, three gods Brahma, Vishnu and Mahesh are worshipped in small lingas. The temple is located on the Brahmagiri hills 28 km from Nashik. The darshan time in the temple is from 5.30 am to 9 pm. Ghrishneshwar Jyotirlinga- Ghrishneshwar Jyotirlinga is situated in Aurangabad, Maharashtra. It has been declared a World Heritage by UNESCO. Men can enter the sanctum sanctorum of the temple by removing their upper clothes. This is the only Jyotirlinga where devotees can touch the linga of Lord Shiva with their hands. The temple is open from 5.30 am to 9.30 pm. Aundha Nagnath Jyotirlinga- Aundha Nagnath temple is located in Hingoli district of Maharashtra. Lord Nagnath is worshipped here. It is believed that devotees worshipping in this Jyotirlinga can remain safe from all kinds of poison. One can go to Aundha Nagnath temple for darshan at 4 am and the doors of the temple are closed at 9 pm. Parli Vaijnath Jyotirlinga- Another Jyotirlinga is located in Parli, Maharashtra. It is believed that Ravana worshipped Lord Shiva at this place. The opening time of this temple is 5 am and closing time is 9 pm. How to reach Jyotirlingas of Maharashtra- For darshan of Jyotirlingas of Maharashtra, the journey can be started from Pune. Bhimashankar is about 3-4 hours away from Pune. The journey from Bhimashankar Jyotirlinga to Trimbakeshwar temple is of 5-6 hours. Ghrishneshwar is 3-5 hours away from Trimbakeshwar. The best way to travel is by taxi, by which you can visit all the Jyotirlingas in less time. Apart from this, bus or train facility is also available on this route. IRCTC brings tour packages for Jyotirlinga Darshan from time to time. You can visit the official website of IRCTC for tour packages of Shiva temples in Sawan.

Kiran Rao: 'It was a decision taken for my happiness', Kiran Rao said on divorce with Aamir Khan

Film director Kiran Rao and actor Aamir Khan are no longer married. They were married in 2005. Both became parents of a son Azad, but in the year 2021 they parted ways. Fans were shocked to hear the news of their divorce. A decision like divorce is obviously not easy

for any married couple, but Kiran Rao says that she felt happy after this divorce. Recently, Kiran Rao was seen discussing her divorce on Faye D'Souza's show. During this, she told that as people move forward, relationships often need to be redefined. Kiran Rao described her and Aamir Khan's separation as a 'happy divorce'. She also said that after the divorce she did not feel lonely at any level. Kiran said that Aamir Khan made her very happy. Kiran Rao is often seen talking about her relationship with her ex-husband Aamir Khan. She has talked about her relationship before as well. Aamir and Kiran got divorced three years ago, but they are still very close friends. Both are raising their child together. 'Laapta Ladies', directed by Kiran Rao, was also made by both of them together. Regarding divorce with Aamir Khan, Kiran Rao said that divorce was a decision taken for her happiness. She further said that this has really made her very happy. Kiran told that she did not have to go through loneliness at all. For this, she thanked her son Azad and also appreciated the support she got from both the families. Kiran said that there is no enmity between her and Aamir Khan. She said that there is always love, respect in the relationship, which includes laughter and similar values. Kiran said that even after divorce, her relationship with Aamir remains strong and meaningful. It will remain so in the future as well.

Aamir Khan: There will be a triple blast on Diwali! Will this film of Aamir Khan clash with 'Singham Again' and 'Bhool Bhulaiyaa 3'?

'Bhool Bhulaiyaa 3' and 'Singham Again' are expected to clash on Diwali. Meanwhile, information about the release of another film produced by Aamir Khan on the occasion of the festival has come to light. The film industry is preparing for a big performance on this

Independence Day. Three much-awaited films 'Stree 2', 'Veda' and 'Khel Khel Mein' are ready to release on the screen on August 15. At the same time, this time Diwali is also going to be very interesting for the cine lovers. 'Bhool Bhulaiyaa 3' and 'Singham Again' are expected to clash on the occasion of Diwali. At the same time, the name of another film produced by Aamir Khan has been added to the clash race. Aamir's film will be released on Diwali! - According to a media report, Aamir Khan's production house is planning to release a new film during Diwali. However, the film does not have a title at the moment. At the same time, another media report has revealed that it will be named 'Happy Patel Dangerous Detective'. Mona Singh, Mithila Palkar and Sharib Hashmi are in the lead roles in this film. Will the content be adult comedy? - The film is directed by Vir Das and Kavi Shastri. Vir Das is also in a cameo role in the film. The shooting of this much-awaited project has been completed recently. In 'Happy Patel Dangerous Detective', Mona Singh is in the bold role of a gangster, which is different from her previous work. The film has been described as an adult comedy on the lines of Aamir Khan's 'Delhi Belly' (2011). The project is important for Mona Singh, as it is her third collaboration with Aamir Khan after '3 Idiots' (2009) and 'Lal Singh Chaddha' (2022). Vir Das is excited about the film - Interestingly, 'Happy Patel Dangerous Jasoos' was once believed to be Imran Khan's comeback medium. However, the actor has denied any involvement in the film. Vir Das has long considered 'Happy Patel Dangerous Jasoos' to be his dream project. In a 2018 interview with GQ, he described the film as an action-comedy genre similar to 'Austin Powers' and 'Johnny English', which he feels is largely unknown in India. However, so far neither the name of the film nor its release date has been officially confirmed.

Janhvi Kapoor: 'Give yourself so much importance...,' Janhvi Kapoor's blunt answer on trolling of star kids

Actress Janhvi Kapoor is the daughter of late actress Sridevi and filmmaker Boney Kapoor. She has always been vocal about the challenges faced by star kids. Recently, the 'Uljh' actress addressed the topic of social media trolling. Also told how she has not been untouched by criticism and trolling based on her background. In a recent interview, Janhvi expressed resilience in the face of negativity. Janhvi made it clear that she focused on her art and personal growth and did not give any importance to the negative things around her. The actress said, 'Don't take yourself seriously, this is the culture of social media, whether you are a public figure or not, trolling and people commenting keeps happening. You should not give so much importance to yourself.'Janhvi Kapoor further added, 'Of course it is difficult and sometimes you feel bad but if your self-image and the way you value yourself is true then whatever people say should not matter. If tomorrow they abuse me for the same things for which they are praising me, then am I going to sit at home and cry. So how you see yourself is more important.'On the work front, Janhvi's next film will be 'Uljh', directed by Sudhanshu Saria. The film also stars Adil Hussain, Meiyang Chang, Rajendra Gupta and Jitendra Joshi. The story of the film is written by Sudhanshu Saria and Parveez Sheikh. The dialogue is by Atika Chauhan, and produced by Junglee Pictures. 'Uljh' will release in theatres on 2 August 2024.Janhvi Kapoor is also all set to make her South debut. She will soon be seen sharing screen space with Jr NTR and Saif Ali Khan in the film 'Devra Part 1'. In 'Devra Part 1' Janhavi will be seen playing the character of Thangam.